

खबरें फटाफट

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर लगी विज्ञान प्रदर्शनी



संजीवनी टुडे

जयपुर। आज मुलीपुरा जयपुर स्थित संस्कृति चिल्ड्रन्स अकेडमी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कक्षा छठी से आठवीं के विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रदर्शनी में मॉडल के माध्यम से विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यालय सचिव आशुष कुमार ने प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। आयोजक ने बताया कि इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विज्ञान अध्यापक के मार्गदर्शन में जल प्रदूषण, खाद्य श्रंखला, कचरा प्रबंधन, पौधे, प्रकाश, रैन वाटर हार्बेस्टिंग, वायु प्रदूषण नियंत्रण व विज्ञान के महत्व को बताने वाले प्रोजेक्ट सोलर प्लांट, वाटर सेंसर अलार्म, रैन डिटेक्टर अलार्म, स्मार्ट सिटी, हाइड्रोलिक्स केन, चन्द्रयान, वैक्यूम क्लीनर, दिन रात होने का प्रिंसिपल जैसे अनेक मॉडल प्रदर्शित करे। प्रधानाध्यापक अशोक कुमार सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ, अभिभावक उपस्थित रहे। विज्ञान प्रदर्शनी में सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास किया, परन्तु सर्वश्रेष्ठ 5 में चार बचाने वाले विद्यार्थी - रितेश सिंह, करण सिंह, रिद्धिका केंवर, दिव्यांशु जांगिड, देवेश अग्रवाल रहे। संयोजक ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ती पत्र वितरित किए गए।

ईवास मॉड्यूलर किचन ने बीकानेर में किया अपनी उपस्थिति का विस्तार



बीकानेर। भारत की लॉडिंग कंस्ट्रक्शन मैटेरियल कंपनी इंफ्रा.मार्केट द्वारा संचालित की जा रही ईवास ने बीकानेर शहर में अपने रणनीतिक विस्तार की शुरुआत की है। हाई क्वालिटी (उच्च गुणवत्ता) वाला समाधान प्रदान करने में अग्रणी कंपनी के रूप में, ईवास मॉड्यूलर किचन ग्राहकों की पसंद और सुविधा को देखते हुए लगातार बदलाव कर रहा है और कंज्यूमर्स की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए आधुनिक व लेटेस्ट इन्वेंशन और उत्पादों की एक बड़ी रेंज पेश करके सुविधाओं की ओर बदलाव का नेतृत्व कर रहा है। बीकानेर के रीको औद्योगिक क्षेत्र में किचन स्टूडियो में संचालित ईवास मॉड्यूलर किचन स्टूडियो, विभिन्न स्वादों और प्राथमिकताओं के अनुरूप मॉड्यूलर किचन और वाइडोव (अलमारी) समाधानों की एक ड्राइवर्स रेंज प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है। यह लोकल समुदाय को लेटेस्ट किचन सॉल्यूशन प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस लॉन्च पर इंफ्रा.मार्केट के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, अभिजीत झावर ने कहा कि, हल्हामारा प्राथमिक उद्देश्य ऐसी सेवा प्रदान करके किचन डिजाइन और कार्यक्षमता में क्रांति लाना है जो राजस्थान में उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाता है। नए स्टोर लॉन्च के साथ, हमारा लक्ष्य मॉड्यूलर किचन और फर्नीचर की बढ़ती मांग के आधार पर राज, विशेष रूप से बीकानेर में एक महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है, ताकि एक मजबूत उपस्थिति और प्रतिष्ठा बनाई जा सके। ईवास घर को बेहतर बनाने और होम ट्रांसफॉर्मेशन की इस यात्रा में खूबसूरती लाने, इसे सुविधाजनक और आनंददायक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अभिनेता अक्षय कुमार पहुंचे वनवासी कल्याण परिषद के छात्रावास



उदयपुर। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार बुधवार को उदयपुर में खेरवाड़ा स्थित वनवासी कल्याण परिषद द्वारा जनजाति बच्चों के लिए बनाए गए छात्रावास पहुंचे। इस छात्रावास के निर्माण के लिए अक्षय कुमार ने सहयोग प्रदान किया था। छात्रावास पूर्ण होने तथा संचालन शुरू होने पर अपने वादे के अनुसार वे आए और बच्चों से मिले। वहां उन्होंने बच्चों के साथ आरती भी की और बच्चों की नोटबुक भी देखी। राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष जगदीश जोशी ने बताया कि खेरवाड़ा के जगदीशदास में वनवासी कल्याण परिषद द्वारा बनाए गए हरिओम छात्रावास के निर्माण में अक्षय कुमार ने एक करोड़ रुपये का सहयोग प्रदान किया था। उन्होंने वहां पहुंचकर बच्चों के साथ पूजा-अर्चना-आरती की। अक्षय कुमार को अपने बीच पाकर बच्चे गहड़े हो उठे। बच्चों ने अक्षय कुमार के साथ फोटो भी खिंचवाई। इस दौरान अक्षय कुमार ने छात्रावास की गतिविधियों की जानकारी ली। जनजाति बच्चों से बातचीत करते हुए आगे की आवश्यकताएं भी जानीं और विकास कार्यों में सहयोग का भरपूर दिलावा

मौलिक साहित्यिक लेखन, समाज सेवा और इतर साहित्यिक लेखन के लिए दिये जायेंगे पुरस्कार

संजीवनी टुडे

राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

15 जून तक किये जा सकेंगे आवेदन। 14 सितम्बर को किया जाएगा पुरस्कृत

बीकानेर। साहित्य के मौलिक लेखन को सम्मान प्रदान करने के दृष्टिगत राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति [श्रीदुर्गाद्वार द्वार प्रति वर्ष दिए जाने वाले राष्ट्रीय पुरस्कारों एवं सम्मानों के लिए प्रविष्टियां व प्रस्ताव आमंत्रित किये गये हैं। इस आशय की जानकारी देते हुए संस्थाध्यक्ष श्याम महर्षि ने बताया कि भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय अवदान के लिए अर्पित किए जाने वाले प्रतिष्ठित 'श्री मलाराम माली स्मृति साहित्यश्री सम्मान, डॉ- नंदलाल महर्षि स्मृति हिन्दी साहित्य सृजन पुरस्कार, पं- मुखराम

सिखवाल स्मृति राजस्थानी साहित्य सृजन पुरस्कार, श्री शिवप्रसाद सिखवाल स्मृति महिला लेखन पुरस्कार, श्री श्याम सुन्दर नागला स्मृति बाल साहित्य सृजन पुरस्कार, साहित्य के इतर विषयों से जुड़े सुरेश कंचन ओझा लेखन पुरस्कार और श्री रामकिशन उपाध्याय स्मृति समाज सेवा सम्मान के लिए कृतियां-प्रस्ताव मांगे गये हैं। महर्षि ने बताया कि साहित्यश्री सम्मान में 21 हजार रूपए एवं अन्य सभी पुरस्कारों-सम्मानों हेतु चयनित विद्वानों को ग्यारह-ग्यारह हजार रूपये नगद राशि, सम्मान-पत्र, स्मृति-चिह्न, शॉल आदि यथा संस्था निर्णय 14 सितम्बर, 2024 को संस्था के वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोज्य समारोह में अर्पित किये जायेंगे। विस्तृत जानकारी देते हुए संस्था के मंत्री रवि पुरोहित ने बताया कि हिन्दी व राजस्थानी सृजन पुरस्कारों के लिए आवेदित या प्रस्तावित पुस्तक वर्ष 2019 से 2023 के मध्य प्रकाशित एवं महिला लेखन, बाल साहित्य सृजन पुरस्कार, पं- मुखराम



पुरस्कार के लिए वर्ष 2017 से 2023 की कालावधि में प्रकाशित होनी चाहिए। 'श्री मलाराम माली स्मृति साहित्यश्री सम्मान हेतु

विगत 20 वर्षों के सम्बन्धित क्षेत्र के अवदान को ध्यान में रखा जाएगा। कोषाध्यक्ष रामचन्द्र राठी ने कहा कि

गोशाला संचालकों में रोष, बोले- ब्याज लेकर खिला रहे गायों को चारा

संजीवनी टुडे

जैसलमेर। जिले के गोशाला संचालक बुधवार से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। पशुपालन विभाग के बाहर धरना दे रहे गोशाला संचालकों का कहना है कि सरकार ने उनके अनुदान का करीब 12 करोड़ रूपए रोक लिया है। जिसकी वजह से गोशाला संचालकों को गोशाला चलाना मुश्किल हो गया है। फिलहाल गोशाला में ब्याज से पैसा लेकर गायों को चारा खिलाया जा रहा है। जो सभी गोशाला संचालकों के लिए काफी मुश्किल है। गोशाला संचालकों ने अनिश्चितकालीन धरना देकर सरकार से जल्द से जल्द गोशाला संचालकों का बकाया अनुदान जल्द से जल्द दिलाने की मांग की है ताकि गोशाला में चारा आदि ला सके और लोगों का बकाया भी चुका सके। श्री मामडिया जी गोशाला, सांगड़ के नारायण देव शास्त्री ने बताया कि साल 2023 का अप्रैल से जुलाई महीने तक भुगतान करीब 12 करोड़ रूपया है जो



सरकार ने किसी कारणों से रोकना है। जबकि उसकी वित्तीय स्वीकृति भी जारी हो चुकी है। ऐसे में सभी गोशाला संचालकों का गोशाला चलाना ही बहुत मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया कि सभी गोशाला संचालक बाजार से 3 रूपए प्रति सैकड़ा के हिस्साब से ब्याज पर पैसा लेकर गायों को चारा खिला रहे हैं। लोग उनसे पैसों के लिए तकाजा कर रहे हैं। मगर सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। ऐसे में सभी गोशाला संचालकों ने परेशान होकर पशुपालन विभाग के आगे टैट लगाकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है। अगर सरकार ने समय रहते गोशालाओं का भुगतान नहीं किया तो वे आमरण अनशन पर बैठेंगे।

स्व. सीता देवी की आठवीं पुण्यतिथि की स्मृति में मानसिक विमर्दितों को भोजन करवा कर अनुकरणीय उदाहरण किया पेश

संजीवनी टुडे

जैसलमेर। जिले के हजुरी समाज की पहली महिला राज्य कर्मचारी स्व.सीता देवी की 8वी पुण्य तिथि पर उनकी स्मृति में बुधवार को उनके परिवारों ने जरूरतमंद परिवारों को अमरसागर में स्थित स्वैर मानसिक विमर्दित पुनर्वास गृह में मानसिक विकलांगों भोजन करवाया। स्व. सीता देवी पत्नी श्री अमृतलाल सोलंकी ने परिवार की कठिन परिस्थितियों और पद प्रथा का सामना करते हुए शिक्षा अर्जित कर समाज की पहली शिक्षिका बन समाज में बालिकाओं के लिए न केवल शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया बल्कि बालिकाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनीं। उन्होंने हमेशा बालिका शिक्षा की पैरवी करते हुए बालिकाओं को शिक्षित होने के लिए आगे बढ़ाया। उनके परिवारों ने 8वी पुण्य तिथि पर जरूरतमंद परिवारों को निशुल्क भोजन और अंध मूक बधिर स्कूल के छात्रों को फलाहार वितरित किये। इस अवसर पर उनके पुत्र कालू सिंह, गणपत सिंह सहित 6 कुत्सी सप्रेम भेंट की इस अवसर पर श्री हजुरी समाज संस्थान के अध्यक्ष कमल सिंह भाटी एवं महासचिव नारायण सिंह पाऊं ने कालू सिंह और सौलंकी (मालाणी) परिवार जियाई को इस पुण्यतिथि को चिरस्थायी बनाकर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने का धन्यवाद ज्ञापित किया।



श्री हजुरी समाज सेवा संस्थान को 8 वी पुण्यतिथि पर उनके पुत्रों द्वारा 06 की गई भेंट

श्री हजुरी समाज भवन प्रभारी राहुल राठौड़ ने बताया कि 'भरा नहीं जो भाव से बहती जिसमें रसाधार नहीं हृदय नहीं वह पत्थर है जिसमें समाज के लिए प्यार नहीं' इसी मूल भावना के तहत सामाजिक सरोकार एवं सराहनीय नेक पहल चरितार्थ करते हुए श्री कालू सिंह सोलंकी द्वारा अपनी माता स्व. श्रीमती सीता देवी की 8 वी पुण्यतिथि पर श्री हजुरी समाज सेवा संस्थान को 6 कुत्सी सप्रेम भेंट की इस अवसर पर श्री हजुरी समाज संस्थान के अध्यक्ष कमल सिंह भाटी एवं महासचिव नारायण सिंह पाऊं ने कालू सिंह और सौलंकी (मालाणी) परिवार जियाई को इस पुण्यतिथि को चिरस्थायी बनाकर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने का धन्यवाद ज्ञापित किया।

पांचवीं बार भीम आर्मी जैसलमेर जिला अध्यक्ष बने हरिराम (हरीश) इनखिया

संजीवनी टुडे

जैसलमेर। भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश कुमार बैरवान ने पत्र जारी करते हुए जैसलमेर जिले के जिला अध्यक्ष के रूप में हरिराम (हरीश) इनखिया को नामित किया है। बहुजन संत गुरुजनों महापुरुषों की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए एवं बहुजन समाज में दिन प्रतिदिन हो रहे अत्याचार के विरोध लंबे समय से ईमानदारी एवं निष्ठा से संघर्ष करने की कार्यशैली को देखते हुए हरिराम (हरीश) इनखिया को जैसलमेर जिला अध्यक्ष के पद पर पांचवा बार नियुक्त किया गया। प्रदेशाध्यक्ष द्वारा जारी प्रेस नोट में बताया कि बाबासाहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर व मान्यवर कांशीराम की विचारधारा 'बहुजन हिताय बहुजन सुखाय' को आगे बढ़ाने के लिए संस्थापक भीम आर्मी डॉ. चन्द्रशेखर आज़ाद, राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन सिंह की सहमति से आगामी आदेश तक नियुक्ति आदेश जारी गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि हरिराम



(हरीश) इनखिया अपने पद के अनुसार अपने कर्तव्य का पूर्ण ईमानदारी एवं निष्ठा से पालन करेंगे। इस पर हरिराम (हरीश) इनखिया ने कहा कि एक बार फिर से समाज के लिए काम करने का मौका मिला। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। भीम आर्मी के सिद्धांतों को सभी बहुजन तक पहुंचाया जाएगा एवं अधिक से अधिक बहुमत जनता को भीम आर्मी से जोड़ा जाएगा। वही समाज को अधिकार दिलाने का काम किया जाएगा। अत्याचार के खिलाफ लड़ने के लिए समाज को जागरूक करने का कार्य किया जाएगा।

बीएसएफ ने निभाया सामाजिक सरोकार, फ्री मेडिकल कैंप में 172 लोगों का किया इलाज, जरूरत मंद को बांटा घरेलू सामान

संजीवनी टुडे

जैसलमेर। भारत-सरहद पर तेनात भारत की पहली रक्षा पंक्ति सीमा सुरक्षा बल सरहद की सुरक्षा के साथ साथ सरहद पर रहने वालों के लिए सामाजिक सरोकार के काम भी कर रही है। सीमा सुरक्षा बल के सिविक एक्सन प्रोग्राम के तहत 154 बीएन बटालियन ने लुणार गांव में कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में फ्री मेडिकल कैंप लगाकर लोगों का फ्री में इलाज कर उनके दवाइयां बांटी। इसके साथ ही स्कूल में कंप्यूटर लैब का उदघाटन कर बच्चों को शिक्षण सामग्री के साथ साथ खेल कूद की सामग्री भी बांटी। इस दौरान जरूरत मंद महिलाओं को घरेलू सामान भी बांटा गया। 154 बीएन बटालियन द्वारा लुणार गांव के सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल में सिविक एक्सन प्रोग्राम आयोजित किया गया। क्षेत्रीय मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल जैसलमेर दक्षिण के डीआईजी विक्रम कुंवर की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीआईजी विक्रम कुंवर के द्वारा स्कूल में कंप्यूटर लैब का उदघाटन किया गया एवं स्कूलों बच्चों के मनोरंजन



के लिए शिक्षण सामग्री, खेल कूद सामग्री, कुत्सी मेज, वाटर सिनेटक्स टैकी आदि सामग्री बांटी गई। बाबा कार्यक्रम के तहत माधुरी कुंवर पत्नी विक्रम कुंवर व अन्य बाबा सरहद की मौजूदगी में 154 बीएन बटालियन मेडिकल ऑफिसर शिवानी तोमर एवं शंकर लाल को देखरेख में फ्री मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया गया। मेडिकल कैंप में गांव के 172 जरूरतमंद लोगों का चेकअप किया गया और सभी को निशुल्क दवा वितरण किया गया। इस दौरान माधुरी कुंवर द्वारा गांव की 150 महिलाओं को स्वच्छता एवं साफ सफाई संबंधी वस्तुओं का वितरण किया गया। इस मौके पर डीआईजी विक्रम

कुंवर द्वारा वहां मौजूद सभी ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया कि सीमा सुरक्षा बल हमेशा सीमावर्ती गांव की प्रगति और सुरक्षा के लिए तत्पर है। उन्होंने बच्चों को शिक्षा एवं खेलकूद के प्रति जागरूक और उसके महत्ता के बारे में भी अवगत कराया। इस मौके पर गांव लुणार के महेंद्र सिंह, गैद सिंह के साथ लगभग 250 ग्रामवासी और स्कूल के कार्यवाहक प्रधानाचार्य हरिकेश जाटव व 4 अध्यापक के साथ 200 स्टूडेंट मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान 154 बीएन बटालियन के कमाण्डेंट मनोजित सिंह के साथ अन्य अधिकारी, जवान व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

कामां की धरा भक्ति भाव से भरी हुई है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण दिखाई देता है आचार्य सुनील सागर महाराज

संजीवनी टुडे

कामां। व्यापारी अपने प्रतिष्ठान पर लाभ के साथ शुभ लिखते हैं और यदि वही लाभ शुभ कार्यों में खर्च किया जाए तो वह शुभ पुण्य में परिवर्तित हो जाता है। कामां की धरा पर बड़ी ही भक्ति भाव से भरे लोग हैं। आज सर्व समाज ने जो आगवानी की है, वह अभूतपूर्व है उक्त उदार जैनाचार्य सुनील सागर महाराज ने कामां में मंगल प्रवेश पर कोसी बाईपास चौराहे पर व्यापारियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के महामंत्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि आचार्य सुनील सागर महाराज ससंधि के कामां में मंगल प्रवेश पर संपूर्ण कामां उनके स्वागत में पलक पावड़े बिछाकर उमड़ पड़ा तो अभिनंदन करने की होड़ सी लग गयी। अखंड वाड़ी तिराहे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा वृद्ध पुष्प वर्षा की गई तो आदर्श विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं ने दिव्य घोष के साथ सैकड़ों कार्यक्रमकर्ताओं ने नगर में प्रवेश किया। इस अवसर पर आचार्यश्री ने कहा कि भगवान महावीर के 2550 में निर्वाण वर्ष में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वर्ष पर्यंत कार्यक्रम आयोजन करने का निर्णय लिया है। इस श्रृंखला में कामां में पहला आयोगन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा ने किया है। अपना घर सेवा समिति, जायंट्स ग्रुप आफ कॉमवन्, जायन्ट्स ग्रुप महिला ज्योति, यथाथ सेवा समिति, वह अन्य समाज सेवा समितियों



सहित व्यापारियों ने अर्चा संघ व रथ की आरती उत्तर कर भावभीनी आगवानी की। पैराशूट से हुई पुष्प वर्षा कामां नगर में प्रथम बार पंचकल्याणक रथ यात्रा पर पैराशूट से पुष्प वर्षा की गई तो लोगों ने कोतूहल से देखा। आसमान से बरसते पुष्पों को देखकर लोग रोमांचित हो उठे। जन्म कल्याणक पर 1 मार्च को हेलीकॉप्टर से भी पुष्प वर्षा होगी। मानव श्रृंखला का हुआ निर्माण जैसे ही आचार्य सुनील सागर संघ कामां के कोसी बाईपास चौराहे पहुंचा तो आदर्श विद्या मंदिर, सेंट्रल पब्लिक स्कूल, सरस्वती छात्रावास, ज्ञान गंगा पब्लिक स्कूल छात्र-छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाकर, पुष्प वर्षा कर आचार्य संघ का स्वागत किया। रामशरण गुर्जर, रामबाबू यादव, मुरारी लाल गोयल सहित अन्य समाजों में भी पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया तो जैन समाज का स्वागत किया गया। भव्य रथ यात्रा में भगवान का हुआ विहार भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ रथ यात्रा व घट यात्रा के साथ हुआ तो भगवान का नगर विहार सौम्य इंद्र बने किश जैन बड़जात्या,

कुबेर इंद्र वैभव जैन, ईशान इंद्र दीपक जैन, माहेन्द्र इंद्र रवि जैन बड़जात्या, सानत इंद्र मुकेश जैन ने करवाया। तिजारा से आया स्वर्ण रथ - निकला गया रथ देहरा तिजारा से आया तो स्वर्ण रथ देखकर लोग हर्षित हो गए खजांची के रूप में अजीत जैन बड़जात्या, तो खवासी धन कुमार जैन कोटा बने इस अवसर पर माता-पिता वीर चंद उबा जैन बड़जात्या, महायज्ञनायक पारस जैन मीरा जैन बड़जात्या जयपुर बग्गी में विराजमान होकर चले तो डींग, जेवर, उदयपुर के बँडो क्रिश्चन पर युवा वर्ग थिरकने लगा। वातावरण जैन धर्म के जयकारों से गुंजायमान हो गया। ध्वजारोहण से हुआ शुभारंभ- पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ ज्ञानचंद रंजेश कुमार अशोक कुमार जैन फिनोजपुर वालों ने ध्वजारोहण के साथ किया तो वही पंडाल उदघाटन सुभाष चंद्र विनोद कुमार सचिन जैन दीपक जैन बिजली वाले परिवार द्वारा किया गया। धर्म ध्वजा लेकर शिखर चन्द संजय मनोज नीरज जैन बड़जात्या परिवार रथ यात्रा का संचालन कर रहे थे। इस अवसर पर पाद प्रक्षालन राजेंद्र जैन गीता जैन बल्लभागढ़ के द्वारा किया गया तो वहीं धर्म नालसव्य महावीर प्रसाद पंकज जैन सचिन जैन साड़ी वाले परिवार रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जैन व अन्य समाजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कल होगा उत्तर गर्भकल्याण तो रात्रि को जादूगर विलसन का शो आयोजित होगा।

उप कारागृह गंगापुर सिटी का निरीक्षण कर बंदियों को दी गई कानूनी अधिकारों की जानकारी

संजीवनी टुडे

गंगापुर सिटी। श्री अतुल कुमार सक्सेना जिला एवं सेशन न्यायाधीश सवाई माधोपुर एवं श्री महेन्द्र कुमार ढाबी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा उप कारागृह गंगापुर सिटी का निरीक्षण कर बंदियों को कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार आज दिनांक 28.02.2024 को श्री अतुल कुमार सक्सेना, जिला एवं सेशन न्यायाधीश सवाई माधोपुर एवं श्री महेन्द्र कुमार ढाबी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा उप कारागृह गंगापुर सिटी का निरीक्षण किया गया। श्री अतुल कुमार सक्सेना, जिला एवं सेशन न्यायाधीश सवाई माधोपुर एवं श्री महेन्द्र कुमार ढाबी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर ने निरीक्षण के दौरान उप कारागृह में साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, बंदियों को दी जाने वाली विधिक सहायता, प्रथम बार प्रवेश करने वाले बंदियों से संवाद व पूछताछ, पीने के पानी की सुविधा, रसोई-घर एवं बैरको की



साफ-सफाई व सदियों में रहने की व्यवस्था आदि के संबंध में पूछताछ कर जांच की तथा उप कारागृह के रसोई घर, शौचालय व अन्य परिसर की साफ-सफाई के निर्देश प्रदान किये। निरीक्षण के दौरान बीमार बंदियों को समुचित चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने के संबंध में भी दिशा निर्देश दिये। मौके पर उपस्थित मुख्य प्रहरी विदेश कुमार ने बताया कि उप कारागृह में पुरुष बंदियों हेतु 04 एवं महिला बंदी हेतु 01 बैरक है। निरीक्षण के दौरान उप कारागृह में कुल 50 बंदी पाये गये तथा कोई भी

महिला बंदी नहीं पाई गई। उप कारागृह में प्रथम बार प्रवेश करने वाले बंदियों से भी पूछताछ कर नि:शुल्क विधिक सहायता की जानकारी प्रदान की गई। निरीक्षण के दौरान उपस्थित बंदियों को नि:शुल्क विधिक सहायता, बंदियों के कानूनी अधिकार, बंदीजन एवं विधि से संघर्षत किशोरों के कल्याण की योजना आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर श्री संतोष कुमार पैनल अधिवक्ता मय कारागृह स्टाफ उपस्थित थे।

जिला स्तरीय बैंकिंग समन्वय समिति की बैठक आयोजित

संजीवनी टुडे

फलोंदी। जिला स्तरीय बैंकिंग समन्वय समिति की बैठक बुधवार को जिला कलेक्टर श्री हरजी लाल अटल की अध्यक्षता में कृषि उपज मण्डी सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिले के बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं के 31 दिसम्बर 2023 तक के मूलभूत आंकड़ों की समीक्षा की गई। बैठक में बताया की 31 दिसम्बर 2023 के अंत में 30 सितम्बर 2023 की तुलना में कुल में 2.31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि जिले का ऋण जमा अनुपात 156.39 % रहा है। बैठक में जिला कलेक्टर ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना सहित बैंकिंग क्षेत्र से जुड़ी अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए आमजन को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी बैंकों से लक्ष्य प्रशिक्षण के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश

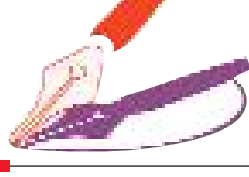


दिए। इस दौरान जिला कलेक्टर ने ऋण संबंधी योजनाओं की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों को 5 मार्च तक निस्तारित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी बैंकों को अगले वित्तीय वर्ष में आखरी अवधि तक इंतजार ना करते हुए समय पर कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बैंकवार समीक्षा करते हुए कम प्राति रिपोर्ट वाले बैंकों को सुधार करने के निर्देश दिए। बैठक में

जिला कलेक्टर ने किसानों की आय को दुगना करने की कार्य योजना, कृषि क्षेत्र के लिए कार्य योजना सहित अन्य कार्यों को लेकर जिले के सभी बैंकों से विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने सभी बैंकों को निर्देश दिए की सभी बैंक अपना योगदान देते हुए लाभार्थियों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करें तथा किसी भी ऋण आवेदन को लंबित ना रहें।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय



देश के गौरव का प्रतीक होगा नया संसद भवन



सुप्रीम कोर्ट द्वारा 'सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट' को हरी झंडी दिए जाने के बाद नई संसद के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि केवल शिलान्यास के लिए अदालत की मंजूरी के बाद 10 दिसम्बर 2020 को संसद की नई इमारत का शिलान्यास कर दिया गया था लेकिन उसके बाद से नए भवन का निर्माण रूका हुआ था। चूंकि तीन मंजिला नई संसद के निर्माण का मामला सर्वोच्च न्यायालय में लंबित था, इसलिए सभी की नजरें अदालत के फैसले पर टिकी थीं। दरअसल केन्द्र सरकार के इस सेंट्रल विस्टा ड्रीम प्रोजेक्ट को कई याचिकाकर्ताओं ने यह कहते हुए अदालत में चुनौती दी थी कि वगैर उचित कानून पारित किए सरकार द्वारा इस परियोजना को शुरू किया गया और इसके लिए पर्यावरणीय मंजूरी लेने की प्रक्रिया में भी कई खामियां हैं। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि संसद और उसके आसपास की ऐतिहासिक इमारतों को इस परियोजना से नुकसान पहुंचने की आशंका है और हजारों करोड़ रुपये की यह योजना केवल सरकारी धन की बर्बादी ही है। सरकार का याचिकाओं के जवाब में कहना था कि बदलती जरूरतों के हिसाब से मौजूदा संसद भवन और मंत्रालय अपर्याप्त साबित हो रहे हैं और नए सेंट्रल विस्टा का निर्माण करते हुए पर्यावरण के साथ यह भी ध्यान रखा जाएगा कि हेरिटेज इमारतों को कोई नुकसान नहीं पहुंचे। अदालत में सरकार की ओर से तर्क दिया गया था कि फिलहाल सभी मंत्रालय कई अलग-अलग इमारतों में हैं और अधिकारियों को एक मंत्रालय से दूसरे में जाने के लिए वाहनों का इस्तेमाल करना पड़ता है तथा कुछ मंत्रालयों का किराया देने में ही प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं, इसलिए यह कहना सही नहीं है कि सेंट्रल विस्टा के निर्माण में सरकारी धन की बर्बादी हो रही है बल्कि धन की बर्बादी रोकने के लिए यह परियोजना जरूरी है। फिलहाल ये मंत्रालय एक-दूसरे से दूर 47 इमारतों से चल रहे हैं जबकि सेंट्रल विस्टा में एक दूसरे से जुड़ी 10 इमारतों में ही 51 मंत्रालय बनाए जाएंगे और इन्हें नजदीकी मेट्रो स्टेशन से जोड़ने के लिए भूमिगत मार्ग भी बनाया जाएगा। अदालत ने प्रोजेक्ट को चुनौती देती याचिकाओं पर 5 नवंबर को फैसला सुरक्षित रखा था, साथ ही कहा था कि अदालत इस दलील को खारिज करती है कि सेंट्रल विस्टा में कोई नया निर्माण नहीं हो सकता। अदालत का कहना था कि विचार इस पहलू पर किया जाएगा कि क्या प्रोजेक्ट के लिए सभी कानूनी जरूरतों का पालन किया गया है। अब 5 जनवरी को देश की सर्वोच्च अदालत के तीन जजों की बेंच के 2:1 के बहुमत के फैसले के साथ ही नए संसद भवन के निर्माण को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिल गई है। न्यायमूर्ति खानविलकर और न्यायमूर्ति माहेश्वरी ने बहुमत में फैसला सुनाया जबकि अल्पमत के फैसले में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने 'लैंड यूज' बदलने की प्रक्रिया को कानूनन गलत बताया। अदालत ने अपने फैसले में निर्देश दिया है कि संसद के नए भवन के निर्माण से पहले हेरिटेज कैमेटी की मंजूरी ली जाए और निर्माण के दौरान प्रदूषण रोकने के लिए स्मॉग टावर लगाए जाएं। वर्ष 2026 में देश में लोकसभा सीटों के परिसीमन का कार्य होना है, जिसके बाद लोकसभा और राज्यसभा की सीटें बढ़ जाएंगी। परिसीमन का कार्य होने के बाद लोकसभा में सांसदों की संख्या 545 से बढ़कर 700 से ज्यादा हो सकती है। इसी प्रकार राज्यसभा की सीटें भी बढ़ सकती हैं। मौजूदा लोकसभा में इतने सांसदों के बैठने की व्यवस्था किया जाना असंभव है, ऐसे में समझा जा सकता है कि भविष्य की इन जरूरतों को पूरा करने के लिए नया संसद भवन कितना जरूरी है। संसद की नई इमारत में राज्यसभा का आकार पहले के मुकाबले बढ़ेगा तथा लोकसभा का आकार भी मौजूदा से तीन गुना ज्यादा होगा। नए संसद परिसर में 888 सीट वाली लोकसभा, 384 सीट वाली राज्यसभा और 1224 सीट वाला सेंट्रल हॉल बनाया जाएगा। ऐसे में संसद की संयुक्त बैठक के दौरान सांसदों को अलग से कुर्सी लगाकर बैठाने की जरूरत खत्म हो जाएगी। अभी प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति के निवास स्थान राष्ट्रपति भवन से दूर हैं लेकिन नए प्रोजेक्ट में इनके नए निवास भी राष्ट्रपति भवन के नजदीक ही बनाए जाएंगे। सर्वोच्च न्यायालय की हरी झंडी मिलने के बाद अब बहुत जल्द सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत नए संसद परिसर का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा और उम्मीद है कि नया संसद भवन अक्टूबर 2022 तक बनकर तैयार हो जाएगा, जिसके बाद संसद का पुराना भवन प्राचीन धरोहर का हिस्सा बन जाएगा और इसका इस्तेमाल संसदीय आयोगों के लिए किया जाएगा। संसद की नई इमारत का कार्य करीब 22 माह की अवधि में पूरा होने का अनुमान है और संभावना है कि नवम्बर 2022 से नई संसद में ही लोकसभा तथा राज्यसभा के सत्रों का आयोजन होगा।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेघ (बु, च, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ): आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो): सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,क्,घ,ड, छ, के, को, अ): कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आपकी गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, ह, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो): किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अभूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे): परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, ठे, ठो): आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सहायता होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटें कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते): आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यु): व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

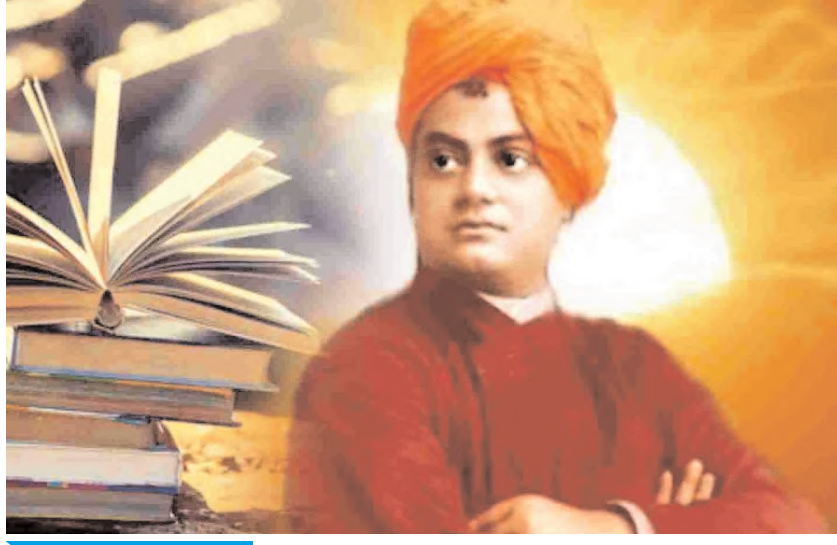
धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, दा, भे): आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहे तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी): आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गु, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा): आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसकी नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, ध, झ, ज, दे, दो, वा, वी): आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बड़ी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाए, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

नये भारत के निर्माता थे स्वामी विवेकानन्द



विवार बिन्दु

वह ऐसी शिक्षा चाहते थे जिससे बालक का सर्वांगीण विकास हो सके। बालक की शिक्षा का उद्देश्य उसको आत्मनिर्भर बनाकर अपने पैरों पर खड़ा करना है। उन्होंने प्रचलित शिक्षा को निषेधात्मक शिक्षा की संज्ञा देते हुए कहा है कि आप उस व्यक्ति को शिक्षित मानते हैं जिसने कुछ परीक्षाएं उतीर्ण कर ली हैं तथा जो अच्छे भाषण दे सकता हो, पर वास्तविकता यह है कि जो शिक्षा जनसाधारण को जीवन संघर्ष के लिए तैयार नहीं करती, जो चरित्र निर्माण नहीं करती, जो समाज सेवा की भावना विकसित नहीं करती तथा जो शेर जैसा साहस पैदा नहीं कर सकती, ऐसी शिक्षा से क्या लाभ ?



ललित गर्ग

लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाये। कलकत्ता के एक कुलीन बंगाली परिवार में जन्मे विवेकानन्द आध्यात्मिकता की ओर झुके हुए थे। वे अपने गुरु रामकृष्ण देव से काफी प्रभावित थे जिसने उन्होंने सीखा कि सारे जीव स्वयं परमात्मा का ही एक अवतार हैं। इसलिए मानव जाति की सेवा द्वारा परमात्मा की भी सेवा की जा सकती है। रामकृष्ण की मृत्यु के बाद उन्होंने बड़े पैमाने पर भारतीय उपमहाद्वीप का दौरा किया और मौजूदा स्थितियों का पहले ज्ञान हासिल किया। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड और यूरोप में हिंदू दर्शन के सिद्धांतों का प्रसार किया, सैकड़ों सार्वजनिक और निजी व्याख्यानों का आयोजन किया। भारत में, विवेकानन्द को एक देशभक्त संत के रूप में माना जाता है। वे अध्यात्म की अतल गहराइयों में डुबकी लगाने वाले योग साधक थे तो विनम्रता की बमिशाल नजीर भी थे। वे करुणा के सागर थे

तो प्रखर समाज सुधारक भी थे। उनमें वक्तृता थी तो शालीनता भी। कृशता थी तो तेजस्विता भी। आभिजात्य मुस्कानों के निधान, अतीन्द्रिय चेतना के धनी, प्रकृति में निहित गूढ़ रहस्यों को अनावृत करने में सतत संलग्न, समर्पण और पुरुषार्थ की मशाल, सदागी और सरलता से ओतप्रोत, स्वामी विवेकानन्द का समग्र जीवन स्वयं एक प्रयोगशाला था। स्वामी विवेकानन्द की मेधा के दर्पण से वेदान्त, दर्शन, न्याय, तर्कशास्त्र, समाजशास्त्र, योग, विज्ञान, मनोविज्ञान आदि बहुआयामी पावन एवं उज्ज्वल बिम्ब उभरते रहे। वे अतुलनीय संपदाओं के धनी थे। वे दर्शन, धर्म, इतिहास, सामाजिक विज्ञान, कला और साहित्य के एक उत्साही पाठक थे। इनकी वेद, उपनिषद, भगवद् गीता, रामायण, महाभारत और पुराणों के अतिरिक्त अनेक हिन्दू शास्त्रों में गहन रूचि थी। उनको बचपन में भारतीय शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षित किया गया था और ये नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम में

कुम्भ मेला के दौरान यह वेबसाइट और मोबाइल एप करेंगे आपकी पूरी मदद

मोबाइल एप और वेबसाइटों के माध्यम से लोगों की समस्याएं कैसे हल हों इसके लिए सरकार के स्तर पर चिंता की गयी है। यही नहीं कुछ निजी कंपनियां भी कुम्भ में आने वाले लोगों को लिए संचार सुविधा के लिए नयी पेशकश कर रही हैं। आइए सबसे पहले जानते हैं उत्तर प्रदेश सरकार के एक महत्वपूर्ण निर्णय के बारे में। उत्तर प्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा कुम्भ मेला-2019 में प्रदेश के समृद्धशाली सांस्कृतिक परम्परा को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उजागर करने के दृष्टिकोण से नाम से वेबसाइट लांच की गयी है। इसका मुख्य उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय दर्शकों को कुम्भ मेले में भाग लेने हेतु आकर्षित करना है। संस्कृति विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वेबसाइट एवं मोबाइल एप के माध्यम से



कुम्भ-2019 का इतिहास एवं भारतीय मिथक एवं परम्परा को व्यापक रूप से प्रसारित किया जायेगा।

इसके माध्यम से दर्शकों को विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं गतिविधियों के बारे में, स्थान एवं कलाकारों की जानकारी सहज रूप से प्राप्त हो सकेगी। इस वेबसाइट के जरिये प्रदेश के विविध अंचलों पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का भी प्रसारण होगा। इससे कुम्भ मेले की 360 डिग्री वीडियो कवरेज, टाइम लैप्स और ड्रोन कैमरा फुटेज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वेबसाइट एवं मोबाइल एप के माध्यम से

की पेशकश की है जिसमें कुम्भ से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी देने के लिए फीचर्स होंगे। जियो की एक विज्ञापित के अनुसार इसमें ट्रेन और बस स्टेशनों से जुड़ी जानकारी भी जानकारी होगी। विज्ञापित में कहा गया है कि कुम्भ मेले में बिछड़े दोस्तों-रिश्तेदारों को ढूँढने में मदद के लिये इस फोन में एक खास फीचर भी जोड़ा गया है। इसका नाम फैमिली लोकैटर है। इसके अलावा कंपनी एक्सचेंज ऑफर भी दे रही है। 'कुम्भ जियोफोन' एक खास एक्सचेंज ऑफर के तहत 501 रुपये की प्रभावी कीमत पर उपलब्ध है।

हिंदी भाषा को दूषित करती हिंग्लिश

विवार बिन्दु



संजीव गार्ग

हिंदी व्याकरण के दृष्टिकोण से एक समृद्ध भाषा है और इसका इतिहास भी बहुत अर्वाचिन है- प्रसिद्ध साहित्यकार कमलापति त्रिपाठी ने कहा है कि 'हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है- भारत क्षेत्रफल तथा जनसंख्या की दृष्टि से एक वृहद तथा विशाल देश है- यहां अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग भाषाएं तथा बोलियां बोली जाती हैं- किंतु संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने वाली हिंदी भाषा ही है- इसमें कोई संदेह नहीं कि इतिहास में विभिन्न काल खंडों विदेशी आक्रमणकारियों के भारत देश में आ जाने से तथा भारत में ही बस जाने से हिंदी भाषा को समृद्ध तथा विकासवान होने का अन्वर मिलान- विदेशी भाषा के कई शब्द हिंदी में ऐसे घुल मिल गए हैं- जैसे वह मूलतः हिंदी के शब्द हों, किंतु अंग्रेजों के आने से अंग्रेजी भाषा ने ना केवल अंग्रेजी को भारत में संपूर्ण रूप स्थापित तथा प्रचलित करने भरसक प्रयास किया, बल्कि हिंदी के मूल स्वरूप को छिन्न-भिन्न करने हिंदी के कलेवर को नष्ट करने का प्रयास किया- ब्रितानी हुकूमत ने अपने कार्यकाल में अंग्रेजी के वर्चस्व को बढ़ावा देकर धीरे धीरे भारतीय जनमानस के दिलों दिमाग पर यह धारणा स्थापित कर दी कि

अंग्रेजी के ज्ञान के बिना तथा इंग्लिश भाषा को आत्मसात किए बिना उनके जीवन में विकास नहीं आ सकता- तथा वह वैश्विक स्तर पर निम्नतर होकर सफलता की बुलंदियों को नहीं को बचा तो लिया पर इसमें अंग्रेजी भाषा के इस्तेमाल के साथ पथभ्रष्ट करने का पूरा पूरा दृष्टिकोण है- अंग्रेजी हुकूमत की गुलामी के चलते भारत वासियों ने हिंदी के मूल स्वरूप को बचा तो लिया पर इसमें अंग्रेजी भाषा के अनावश्यक हस्तक्षेप को रोक पाने में सफल नहीं हो पाए- जिसके कारण हिंदी को इंग्लिश भाषा की तुलना में निम्नतर माना जाने लगा- मूलतः हिंदी भाषा के शब्दों के साथ अंग्रेजी के शब्दों का लगातार इस्तेमाल करना ही हिंग्लिश का इस्तेमाल करना तथा माना जाता है- उदाहरण के लिए हिंग्लिश इस तरह की बोली हो सकती है आपका प्रोफेशन क्या है, आप किस ऑफिस में वर्क करते हैं, इस तरह के वाक्यों का प्रयोग आम हिंदुस्तानी बेधड़क करने लगा है, इस तरह अंग्रेजी भाषा की घुसपैठ भारतीय मूल भाषा हिंदी में कर चुका है- अंग्रेजी के कई ऐसे शब्द जिनका अज्ञातवादा शब्द हिंदुस्तानी धड़ल्ले से उपयोग करता है वे शब्द मूलतः हिंदी में किए जाने पर शर्म आ

जाती है- पर क्योंकि यह अंग्रेजी भाषा है अतः भारतीय से धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रहे हैं- इस तरह धीरे-धीरे हिंदी भाषा को अंग्रेजी के शब्दों के इस्तेमाल के साथ पथभ्रष्ट करने का पूरा पूरा दृष्टिकोण है- अंग्रेजी हुकूमत की गुलामी के चलते भारत वासियों ने हिंदी के मूल स्वरूप को बचा तो लिया पर इसमें अंग्रेजी भाषा के अनावश्यक हस्तक्षेप को रोक पाने में सफल नहीं हो पाए- जिसके कारण हिंदी को इंग्लिश भाषा की तुलना में निम्नतर माना जाने लगा- मूलतः हिंदी भाषा के शब्दों के साथ अंग्रेजी के शब्दों का लगातार इस्तेमाल करना ही हिंग्लिश का इस्तेमाल करना तथा माना जाता है- उदाहरण के लिए हिंग्लिश इस तरह की बोली हो सकती है आपका प्रोफेशन क्या है, आप किस ऑफिस में वर्क करते हैं, इस तरह के वाक्यों का प्रयोग आम हिंदुस्तानी बेधड़क करने लगा है, इस तरह अंग्रेजी भाषा की घुसपैठ भारतीय मूल भाषा हिंदी में कर चुका है- अंग्रेजी के कई ऐसे शब्द जिनका अज्ञातवादा शब्द हिंदुस्तानी धड़ल्ले से उपयोग करता है वे शब्द मूलतः हिंदी में किए जाने पर शर्म आ

जाती है- पर क्योंकि यह अंग्रेजी भाषा है अतः भारतीय से धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रहे हैं- इस तरह धीरे-धीरे हिंदी भाषा को अंग्रेजी के शब्दों के इस्तेमाल के साथ पथभ्रष्ट करने का पूरा पूरा दृष्टिकोण है- अंग्रेजी हुकूमत की गुलामी के चलते भारत वासियों ने हिंदी के मूल स्वरूप को बचा तो लिया पर इसमें अंग्रेजी भाषा के अनावश्यक हस्तक्षेप को रोक पाने में सफल नहीं हो पाए- जिसके कारण हिंदी को इंग्लिश भाषा की तुलना में निम्नतर माना जाने लगा- मूलतः हिंदी भाषा के शब्दों के साथ अंग्रेजी के शब्दों का लगातार इस्तेमाल करना ही हिंग्लिश का इस्तेमाल करना तथा माना जाता है- उदाहरण के लिए हिंग्लिश इस तरह की बोली हो सकती है आपका प्रोफेशन क्या है, आप किस ऑफिस में वर्क करते हैं, इस तरह के वाक्यों का प्रयोग आम हिंदुस्तानी बेधड़क करने लगा है, इस तरह अंग्रेजी भाषा की घुसपैठ भारतीय मूल भाषा हिंदी में कर चुका है- अंग्रेजी के कई ऐसे शब्द जिनका अज्ञातवादा शब्द हिंदुस्तानी धड़ल्ले से उपयोग करता है वे शब्द मूलतः हिंदी में किए जाने पर शर्म आ

जाती है- पर क्योंकि यह अंग्रेजी भाषा है अतः भारतीय से धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रहे हैं- इस तरह धीरे-धीरे हिंदी भाषा को अंग्रेजी के शब्दों के इस्तेमाल के साथ पथभ्रष्ट करने का पूरा पूरा दृष्टिकोण है- अंग्रेजी हुकूमत की गुलामी के चलते भारत वासियों ने हिंदी के मूल स्वरूप को बचा तो लिया पर इसमें अंग्रेजी भाषा के अनावश्यक हस्तक्षेप को रोक पाने में सफल नहीं हो पाए- जिसके कारण हिंदी को इंग्लिश भाषा की तुलना में निम्नतर माना जाने लगा- मूलतः हिंदी भाषा के शब्दों के साथ अंग्रेजी के शब्दों का लगातार इस्तेमाल करना ही हिंग्लिश का इस्तेमाल करना तथा माना जाता है- उदाहरण के लिए हिंग्लिश इस तरह की बोली हो सकती है आपका प्रोफेशन क्या है, आप किस ऑफिस में वर्क करते हैं, इस तरह के वाक्यों का प्रयोग आम हिंदुस्तानी बेधड़क करने लगा है, इस तरह अंग्रेजी भाषा की घुसपैठ भारतीय मूल भाषा हिंदी में कर चुका है- अंग्रेजी के कई ऐसे शब्द जिनका अज्ञातवादा शब्द हिंदुस्तानी धड़ल्ले से उपयोग करता है वे शब्द मूलतः हिंदी में किए जाने पर शर्म आ



आज का इतिहास

29 फरवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- 1616 ब्रिटिश राजदूत सर थॉमस रो ने अजमेर में जहांगीर से मुलाकात की।
- 1836 प्रोफेसर मधुसूदन गुप्ता ने अपने चार छात्रों के साथ मिल कर पहली बाद मानव शरीर का विच्छेदन कर आंतरिक संरचना का अध्ययन किया।
- 1839 भारतीय चाय इंग्लैंड पहुँची।
- 1863 लंदन में विश्व की पहली भूमिगत रेल की सेवा शुरू।
- 1910 पहली एयर मीट हुई।
- 1912 ब्रिटिश नरेश जार्ज पंचम और रानी मैरी ने भारत छोड़ा।
- 1916 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान रूस ने ओटोमन साम्राज्य को हराया।
- 1920 राष्ट्रसंघ की स्थापना हुई।
- 1946 लंदन में संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली बैठक में 51 राष्ट्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- 1954 ब्रिटेन का कॉमिट जेट भूमध्यसागर में दुर्घटनाग्रस्त, विमान में सवार सभी 35 लोग मारे गए। कॉमिट दुनिया का पहला जेट विमान था जिसे ब्रिटेन ने बनाया था।
- 1972 पाकिस्तान में जेल में नौ महीने से अधिक समय तक कैद रहने के बाद बाद शेख मुजीबुर रहमान बांग्लादेश पहुंचे।
- 2001 प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी इंडोनेशिया पहुंचे, मेडकाउ बीमारी के प्रति प्रशासनिक लापरवाही के कारण जर्मनी के दो मंत्रियों का इस्तीफा, रूस के राष्ट्रपित ब्लादिमीर पुतिन सोवियत विघटन के बाद पहली बार अजरबैजान पहुंचे।

हैलथ संवाददाता

स्वास्थ्य ही धन है, ऐसे में आप किस तरह के आहार का सेवन करते हैं, उसपर आपका स्वास्थ्य निर्भर करता है। शाकाहारी भोजन आपको न केवल स्वस्थ रखता है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों से बचाता है। शाकाहारी भोजन के सेवन से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करना आलेख। सच में यह कहा जाये, तो बिल्कुल गलत नहीं होगा, कि व्यक्ति का शरीर केवल शाकाहार भोजन खाने के लिए बना है। शाकाहार में शरीर के लिए जरूरी आयरन, प्रोटीन, फैट्स, विटामिन्स आदि होते हैं। लेकिन लोगों को यह लगता है कि नॉनवेज में प्रोटीन ज्यादा होता है, इसलिए नॉनवेज खाना चाहिए, लेकिन यह सही नहीं है। शाकाहार के सेवन से भी प्रोटीन की जरूरत को पूरा किया जा सकता है।

संतृप्त वसा व कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम



शाकाहारी भोजन में रेशे यानी फाइबर बहुतायत में पाये जाते हैं। इसमें विटामिन व लवणों की मात्रा भी अपेक्षाकृत ज्यादा होती है। शाकाहारी भोजन में पानी की मात्रा भी ज्यादा होती है, जिससे मोटापा कम होता है। मांसाहार की तुलना में शाकाहारी भोजन में संतृप्त वसा व कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है, जिससे यह हृदय रोगों की आशंका को कम करता है। अनाज, फल, फल व सब्जियों में रेशे व एंटीऑक्सीडेंट ज्यादा होते हैं, जो कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी को दूर रखने में सहायक होते हैं।

शाक से मिलता है प्रोटीन

शाकाहारी होना कतई हानिकारक नहीं है। मांसाहारियों को शरीर के लिए जरूरी तत्व जो मांस से मिलते हैं, वही जरूरी तत्व शाकाहारियों को कई प्रकार के शाक से मिलते हैं। प्रोटीन जो मछली, मांस और अंडे से प्राप्त होता है, वह वनस्पति से भी प्राप्त होता है।

बनो शाकाहारी हो जाओ दीर्घायु

मानव शरीर के कार्य करने के लिए ऐसा कोई पौष्टिक व जरूरी तत्व नहीं है, जो वनस्पतियों से प्राप्त नहीं किया जा सकता। फोलेट के अत्यधिक मात्र में होने के कारण और न्यून मात्र में सैचुरेटेड फैट, कोलेस्ट्रॉल व एनिमल प्रोटीन मात्र के कारण शाकाहारी भोजन हमें खतरनाक और सामान्य रोगों से बचाता है।

विटामिन 'ए':

(1) हरी सब्जियां (2) मक्खन (3) क्रीम (4) गाय का दूध (5) कार्डलिवर आयल

विटामिन बी 1:

(1) गेहूं (2) ताजे मटर (3) अंकुरित बीज (4) सेम (5) खमीर आदि।

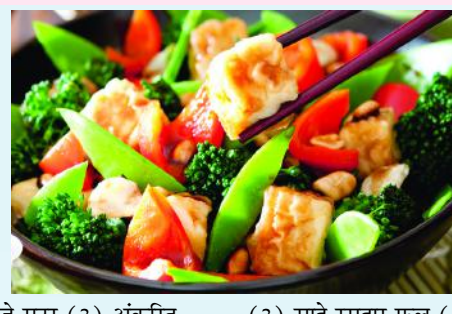
विटामिन बी 2:

(1) अंडा (2) टमाटर (3) दूध (4) खुमारी (5) हरी सब्जियां।

विटामिन बी 6:

(1) अनाज के दाने (2) मछली (3) मांस (4) खमीर (5) चावल (6) फलियां

कौन सा विटामिन पाएं कहां से



विटामिन बी 12:

(1) हरी सब्जियां (2) दालें (4) अनाज (5) खमीर आदि।

विटामिन सी:

(1) बंदगोभी (2) शलगम (3) सादे रसदार फल (4) टमाटर (5) नींबू आदि।

विटामिन-डी:

(1) दूध (2) काड लिबर आयल (3) पनीर (4) घी (5) मक्खन

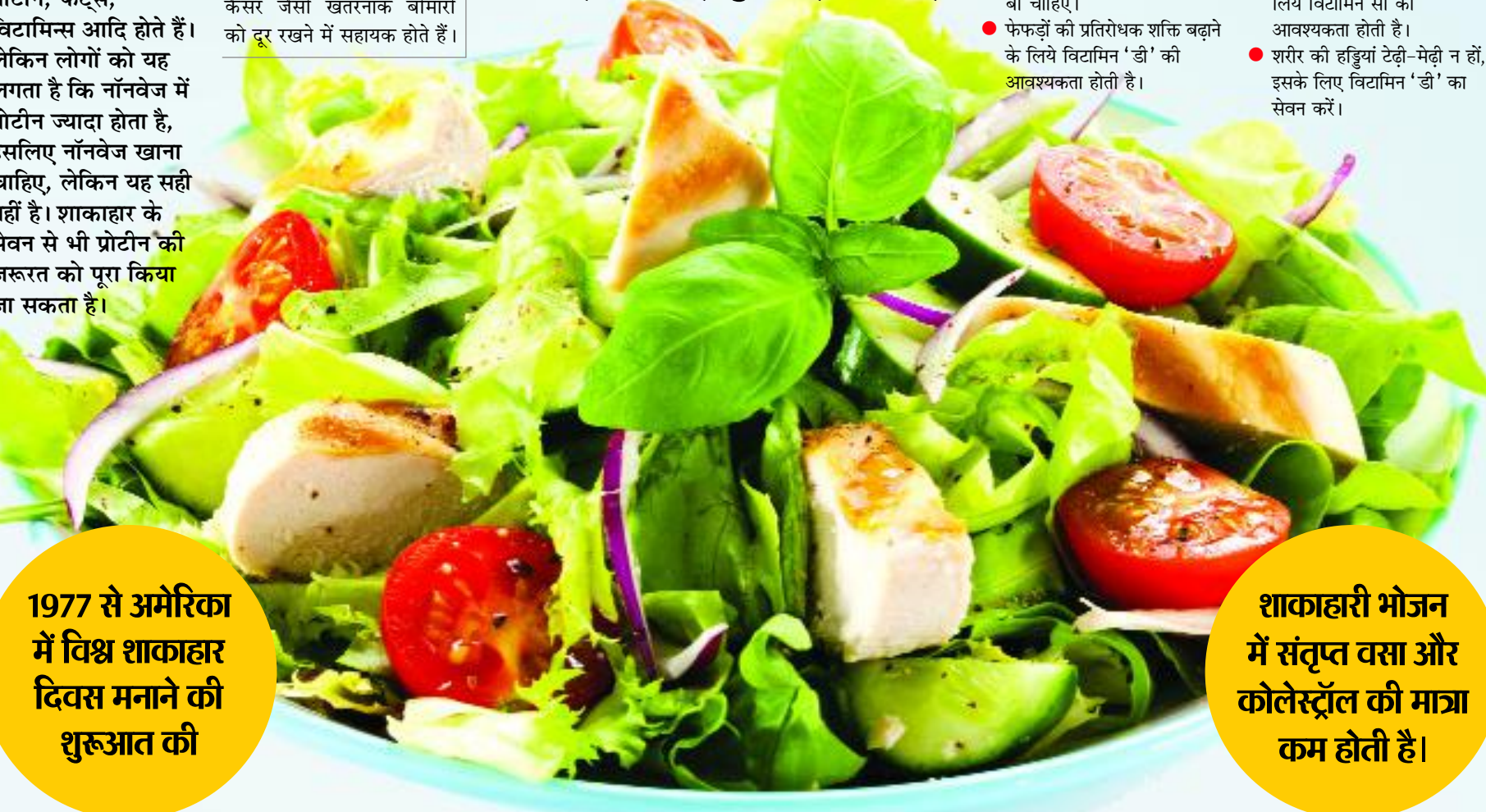
विटामिन ई:

(1) गेहूं के अंकुर (2) पालक (3) हरी सब्जियां (4) बंदगोभी (5) टमाटर आदि।

किसके लिये कौन सा विटामिन है फायदेमंद

- हमें आंखों के लिये विटामिन 'ए' तथा 'सी' की आवश्यकता है।
- मसूड़ों तथा दांतों की मजबूती के लिये विटामिन सी चाहिए।
- पाचन शक्ति बढ़ाने तथा हृदय को मजबूत करने के लिये विटामिन बी चाहिए।
- फेफड़ों की प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने के लिये विटामिन 'डी' की आवश्यकता होती है।
- बार-बार खांसी जुकाम हो तो विटामिन 'ए' लीजिए।
- पिण्डलियों का भारीपन तथा पांव का दर्द दूर करने के लिये विटामिन 'बी' चाहिए।
- खून की कमजोरी दूर करने के लिये विटामिन सी की आवश्यकता होती है।
- शरीर की हड्डियां टेढ़ी-मेढ़ी न हों, इसके लिए विटामिन 'डी' का सेवन करें।

शाकाहार शतम् जीवेत् सुखम् जीवेत्



1977 से अमेरिका में विश्व शाकाहार दिवस मनाने की शुरुआत की

शाकाहारी भोजन में संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है।

शाकाहार पूर्ण पौष्टिक भोजन है

हैलथ संवाददाता

आज की भौतिक दौड़ में हमने अपने खान-पान को भुला दिया है। आज कई लोग मांसाहारी हो गये हैं। संभवतः यही कारण है कि नयी-नयी बीमारियों का जन्म हो गया है। हमारा शरीर प्राकृतिक तत्वों से मिलकर बना है। अतः मनुष्य को वही जन करना चाहिए, जिसमें सात्विक गुण हो, क्योंकि शरीर किसी बाह्य तत्व का बोझ सहन नहीं कर सकता। अब हमारा पौष्टिक भोजन क्या हो? विशेषज्ञों के अनुसार शाकाहार ही पौष्टिक भोजन है।

शाकाहारी भोजन में उचित मात्रा में शक्तिवर्धक तत्व होते हैं।

शाकाहारी भोजन स्वस्थ, सबल और दीर्घायु बनाता है, जबकि मांसाहारी व्याधियों से घिरसे होते हैं। शाकाहार के संबंध में अनेक शोध भी होचुके हैं। इसका परिणाम स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक ही पाया गया है। शाकाहारी मांसाहारियों की अपेक्षा सहनशील, शक्तिशाली और परिश्रमी होते हैं। इसके अलावा शाकाहारी भोजन का रासायनिक विश्लेषण मांसाहारी भोजन से कई मायनों में अधिक होता है। जैसे प्रति सौ ग्राम अंडों का विश्लेषण करने पर 13.3 प्रतिशत प्रोटीन, 0 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 13.3 फैट, 0 प्रतिशत फाइबर, 1.0 प्रतिशत मिनरल्स व 173 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है, जबकि प्रति सौ ग्राम सोयाबीन से 43.3 प्रतिशत प्रोटीन, 20.9 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 19.5 प्रतिशत फैट, 3.7 प्रतिशत फाइबर, 4.6 प्रतिशत मिनरल्स और 432 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। ऐसे प्रति सौ ग्राम बकरे का मांस 21.4 प्रतिशत प्रोटीन, 0 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 23.6 प्रतिशत फैट, 0 प्रतिशत फाइबर, 1.1 प्रतिशत मिनरल्स, 118 कैलोरी ऊर्जा रखता है, जबकि प्रति सौ ग्राम मोट से 23.6 प्रतिशत प्रोटीन, 56.5 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, 1.1 प्रतिशत फैट, 4.5 प्रतिशत फाइबर और 330 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है।

मछली में है प्रचूर मात्रा में प्रोटीन

इसी प्रकार मछली की अनेक किस्मों में प्रति सौ भाग रासायनिक पौष्टिकता इस प्रकार है- प्रोटीन 8.9 से 76.1 प्रतिशत, फाइबर 0 प्रतिशत, मिनरल्स 0 से 27.5 प्रतिशत और ऊर्जा 59 से 413 कैलोरी, जबकि मूंगफली व तरबूज के सौ ग्राम बीजों की पोषकता यूं है- 26.2 से 34.1 प्रतिशत प्रोटीन, 26.7 से 45 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 39.8 से लेकर 52.6 प्रतिशत फैट, 0.8 से लेकर 3.1 प्रतिशत फाइबर, 1.6 से लेकर 25 प्रतिशत मिनरल्स और 470 से लेकर 628 कैलोरी ऊर्जा।

हरी सब्जियां में है विटामिन्स की खान

अब देखें फाइबर मांस में बिल्कुल नहीं है, जबकि रोगों से लड़ने की ताकत यही जुटाता है। इसके विपरीत हर शाकाहारी भोजन में फाइबर की उपस्थिति निश्चित है। इसके अतिरिक्त हरी सब्जियां तो विटामिन्स की खान है अगर कुछ विटामिन्स रह भी जाएं तो इसकी पूर्ति, दूध, दही व मक्खन से की जा सकती है। शाकाहार के संबंध में अमेरिका में हुए एक अध्ययन से पता चला है कि जो अमेरिका महिलाएं शाकाहारी होते हैं उन्हें छाती का कैंसर कभी न होने की संभावना होती है। शाकाहार में अंगूर, पपीते व हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने वालों को भोजन नली का कैंसर बहुत कम होने का खतरा रहता है। शाकाहार के संबंध में जर्मनी की इंस्टीट्यूट आफ सोशियल मेडिसिन एंड एपिडेमिओलोजी द्वारा भी सर्वेक्षण किये जा चुके हैं।

शाकाहार से रक्तचाप

रहता है सामान्य

इस संस्था के शोधकर्ताओं का मानना है कि शाकाहारियों के रक्त में यूरिक एसिड का मात्रा कम होती है। इससे रक्तचाप सामान्य रहता है, जबकि मांसाहारियों में इसकी अधिकता पायी जाती है। शाकाहार के बारे में कुछ जाने-माने सितारों का भी मत सकारात्मक है।

विश्व प्रसिद्ध शाकाहारी

विश्व के प्रसिद्ध महापुरुष शाकाहारी थे, जिनमें सर आईजक न्यूटन, टॉलस्टाय, मिल्टन, अरस्तु, बर्नार्ड शा आदि के नाम प्रमुख हैं। शाकाहार ने ही उनके बंद ज्ञान की पंखुड़ियों को खोलने में मदद की। महान वैज्ञानिक एलबर्ट आइन्स्टाइन का कथन आज भी सत्य है। शाकाहार का हमारी प्रकृति पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इससे तो ईसान का भाग्य पलट सकता है। कैंसर एंड अदर डिजीज फ्राम मी कन्जम्पशन पुस्तक के लेखक लियोनार्डो ब्लांचे ने कैंसर के अनेक मरीजों का इलाज किया है। उन्होंने पाया कि कुल संख्या का एक तिहाई भाग जिस कैंसर से पीड़ित मिला है, वह पेट का कैंसर ही था। उनके अनुसार, पेट में पूरी तरह न पचने वाले खाद्य पदार्थों से ऐसा संभव हुआ है। मांस ऐसा भोजन है जो देर से पचता है, जबकि शाकाहार करने वाले ऐसी शिकायतें कम करते हैं।

शाकाहार, मांसाहार की अपेक्षा अधिक सस्ता

आर्थिक दृष्टि से शाकाहार, मांसाहार की अपेक्षा अधिक सस्ता पड़ता है। शाकाहारी भोजन चाहे जितना ही भारी हो, लेकिन मांस से पहले पचता है। यह भूख को पूर्ण रूप से तृप्त करता है। इससे मोटापा आने के आसार बहुत कम होते हैं। शाकाहारी के शरीर में रक्त के संचार की गति तेज होती है। शाकाहार की महत्ता को गास्पल आफ जीसस क्राइस्ट में भी बताया गया है कि यदि तुम शाकाहारी भोजन को नियमित अपनाओगे तो तुम्हें नया जीवन व शक्ति मिलेगी।

मांसाहारी जिन मांस को खाते हैं, वह न जाने कैसे पशुओं का होता है। शहर में घूमते इन आवारा पशुओं को अनेक बीमारियां घेरे रहती हैं। जब इन्हें काटा जाता है तो क्या इनके शरीर की जांच की जाती है?

मांसाहार मानव शरीर को करता विकृत

मांसाहार अवश्य ही मानव शरीर को विकृत करता है। शाकाहार वास्तव में मनुष्य के मन और शरीर को सुदृढ़ बनाता है। अतः निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि हर हाल में शाकाहार मांसाहार की अपेक्षा अत्यंत लाभदायक होता है, फिर मनुष्य को प्रकृति में रहने की आदत है तो उसी के अनुरूप आचरण भी करना चाहिए।

लहसुन उच्च रक्तचाप में राहत देता है

लहसुन सर्दियों से दुनिया भर में अनेक लोगों के भोजन का अंग रहा है, जो लोग इसे पसंद करते हैं, उनका कहना है कि लहसुन से खाने का मजा बढ़ जाता है, लेकिन दुनिया के कई समाज इसे खाना अच्छा नहीं समझते, शायद तीखी गंध के कारण। आयुर्वेद में लहसुन का गुण-गान किया गया है। अब तो आधुनिक चिकित्सा पद्धति के विशेषज्ञ भी कई बीमारियों में इसे कारगर मानने लगे हैं। दमा, बहरेपन, खांसी-जुकाम, पेट में कीड़े आदि में लहसुन लेने की सलाह दी जाती है। छाती के रोगों में और सर्दी लग जाने पर लहसुन की दूध में उबाल कर लेना चाहिए। तपेदिक के मरीजों के लिए भी लहसुन बहुत मुफीद है। लहसुन की कली को पीसकर 250 ग्राम दूध में धीमी आंच पर उबालिये। एक चौथाई दूध रह जाने पर यह दवा बन जाएगी। इसे दिन में तीन बार लेना चाहिए। सुबह-सबरे खाली पेट लहसुन की एक-दो कलियों को जप-सा कूट कर पानी में निगल जाएं। उच्च रक्तचाप और पेट की बीमारियों में फायदा होगा। आंतों में जमा विषैला तत्व नष्ट हो जाता है।

लहसुन का सबसे बड़ा अवगुण इसकी बू है। जो लोग लहसुन नहीं ले सकते, वे लहसुन के कैप्सूल ले सकते हैं, जो बाजार में उपलब्ध हैं। लहसुन गुणों का भंडार है, लेकिन कुछ लोगों को नुकसान कर सकता है। इसकी तासीर गर्म होती है। जिनकी पाचन शक्ति कुछ ज्यादा ही गड़बड़ हो, गर्म चीजें खाने से जिनको तकलीफ बढ़ जाती है, उन्हें लहसुन से परहेज करना चाहिए।



कैंसर को दूर रखने के लिए शाकाहार अपनायें

कई अध्ययनों से पता चला है कि शाकाहारी लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता मांस खाने वाले लोगों की तुलना में मजबूत होती है। वहीं शाकाहारी लोगों को दिल से जुड़ी बीमारियां, कैंसर और मोटापा जैसी बीमारियां भी कम होती हैं। मांस, अंडे और डेयरी उत्पाद छोड़ देने से कम वसा, कम कोलेस्ट्रॉल और बहुत पौष्टिक खाना मिलता है। तो चलिए विस्तार से जानें कि शाकाहार कैसे हमें कैंसर व अन्य घातक बीमारियों से दूर रख सकता है।

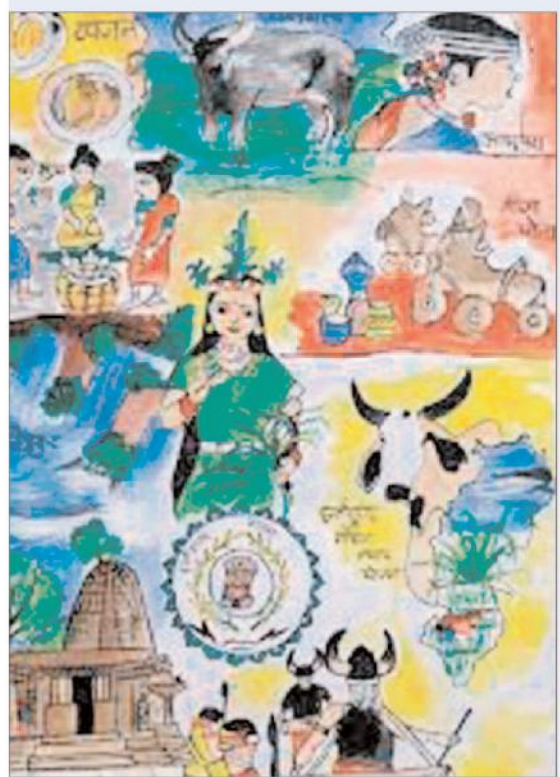
पौष्टिकता का खजाना है शाकाहार

शाकाहारी भोजन मनुष्य को फलू जैसी रोजमर्रा की बीमारियों के साथ कैंसर जैसी घातक बीमारियों को दूर रखने में मदद करता है। एक सर्वे के दौरान मिले तथ्यों के मुताबिक जानकार बताते हैं कि शरीर के लिए शाकाहारी खाना सबसे अच्छा है। मांस, अंडे और डेयरी उत्पाद छोड़ देने से कम वसा, कम कोलेस्ट्रॉल और बहुत पौष्टिक खाना मिलता है। सर्वे के मुताबिक शाकाहारी खाने में कोलेस्ट्रॉल नहीं होता और वसा भी कम होती है और यह कैंसर के खतरे को 40 फीसद कम करता है। शाकाहारी खाने में सोया दूध, अनाज, फल, सब्जियां, बादाम और जूस हमारी रोजमर्रा की विटामिन, कैल्शियम, फोलिक एसिड, प्रोटीन की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। जानकारों का मानना है कि शाकाहारी लोग फलू जैसी रोजमर्रा की बीमारियों से जल्दी प्रभावित नहीं होते हैं। मांसाहारी लोगों को शाकाहारी खाना खाने वालों की तुलना में मोटे होने का खतरा नौ गुना ज्यादा होता है।

लोक साहित्य

डा दयाशंकर शुक्ल

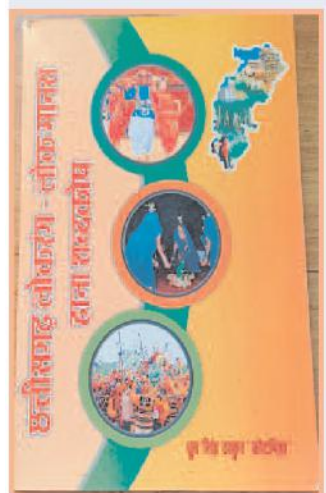
पूर्वी हिंदी और छत्तीसगढ़ी



छत्तीसगढ़ी पूर्वी हिंदी की एक बोली है। इसके क्रियापदों का बसवाड़ी से कारकों का भोजपुरी से बहु वचनों की ओडिशा से, कर्म तथा संप्रदान कारक के परिसर्गों का मराठी से, अधिकरण के परिसर्ग का गुजराती से तथा संख्या वाचक सर्वनाम क्रिया विशेषण, संबंध सूचक अव्यय, परिसर्ग तथा निश्चय बोधक अव्ययों का बंगला, ओडिशा, मराठी और गुजराती से साम्य है। कुछ शुद्ध संस्कृत शब्दों का भी प्रयोग देखने में आता है। छत्तीसगढ़ी में तदभव शब्दों का बाहुल्य है। इसका प्रधान कारण यह है कि छत्तीसगढ़ी वस्तुतः दैनिक जीवन की भाषा है और इसमें बंगला, ओडिशा, मराठी आदि की भांति साहित्य सर्जन नहीं हो रहा है। छत्तीसगढ़ी में अनेक शब्दों का आरंभ मूर्धन्य तथा लालव्य वर्णों से होता है। अनेक अनुस्वार, ध्वनि युक्त शब्द भी छत्तीसगढ़ी में हैं। यह वस्तुतः द्रविड़ तथा अनार्य भाषाओं की एक विशेषता है। अनेक अर्ध तत्सम शब्द भी छत्तीसगढ़ी में विद्यमान हैं। यह किंचित ध्वनि परिवर्तन करके संस्कृत से उधार लिए हुए शब्द हैं। यह ध्वनि परिवर्तन भी या तो छत्तीसगढ़ी की ध्वनि के अनुसार हुआ है अथवा अन्य भाषाओं और बोलियों के सम्मिश्रण के कारण हुआ है।

पुस्तक समीक्षा

छत्तीसगढ़ी लोकरंग, लोक मानस हाना शब्दकोश



कृति के नाव
छत्तीसगढ़ी लोकरंग लोक मानस हाना शब्दकोश

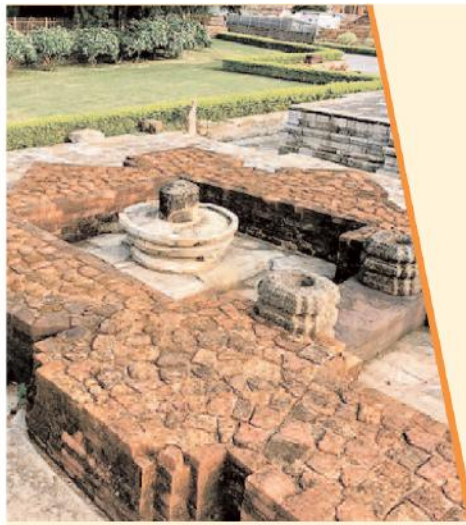
कृतिकार
धुव सिंह ठाकुर कोटमिहा

प्रकाशक
अंकुर प्रिंटर्स, बिलासपुर

पुस्तक समीक्षा
समीक्षक चक्रेश्वर गोस्वामी

मूल्य
दो सौ पचास रुपये

छत्तीसगढ़ी के बिलासपुर अंचल के रहैया कृतिकार हा हमर जन जीवन मा जेन उपयोगी होथे वोला रखे के प्रयास करे हे। येकरे संग हमर सियान मन जेन संस्कृति ला जीयत रिहिन वोला घलो बने ढंग ले रखे हावय अइसन अऊ हमर जन जीवन ला प्रभावित करने वाला काम कारज ला घलोव रखे हाव। कतको जानकारी ला आज के लइका मन नी जानय उनकर बर ए किताब हा बड़ उपयोगी होहि। आजकल ऐसे किताब के विषय वस्तु के अभाव ला पूरा करे के बने उदिम आय। आशा करत हन हमर अंचल के जानकारी चाहने वाला मन बर ए किताब बने मार्गदर्शन करही।



रतनपुर के शासक शैव धर्मावलंबी थे, उस समय के अनेक प्राचीन मंदिर और उनके अवशेष इनकी पुष्टि करते हैं। शैव मतावलंबी कल्चुरी शासकों की मान्यता थी कि बंकेश्वर महादेव की कृपा से उन्हें राज्य प्राप्त हुआ है।

छत्तीसगढ़ में शैव धर्म

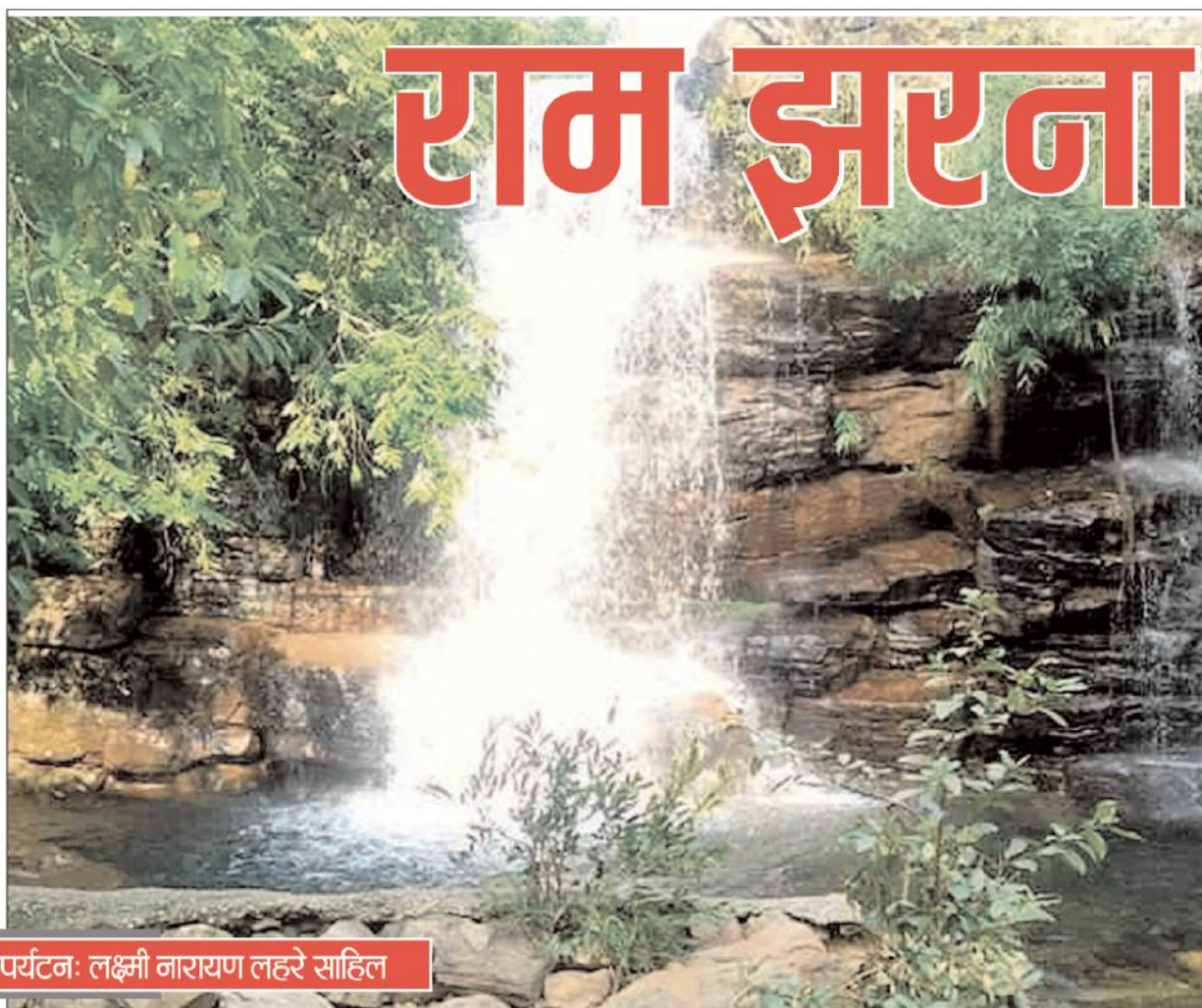
छ

छत्तीसगढ़ पांडुवंशीय वैष्णव मतावलंबी थे। महाकोसल में आने के पूर्व वे बौद्ध धर्म की तांत्रिक परंपरा से अत्यधिक प्रभावित थे, साथ ही शैव धर्म का भी उन पर प्रभाव था, यद्यपि बौद्ध धर्म को स्वीकार करने के बाद इन्हीं राजाओं ने बौद्ध धर्म और शैव धर्म की तांत्रिक परंपराओं में समन्वय कार्य किया। यद्यपि संघर्ष की स्थिति बराबर बनी रही। सिरपुर में बौद्ध धर्म पर शैव धर्म का जबरदस्त आक्रमण बौद्ध संस्कृति के पतन का कारण बना, किंतु शैव संस्कृति के उत्कृष्ट प्रमाण और स्थापत्य की उच्चता बौद्ध संस्कृति की उंचाई को छूने का प्रयास करने के उपरांत भी अंततः पराजित ही रही। पांडुवंशीय और शरभपुर वंशीय शासकों के भागवत धर्मावलंबी होने का प्रमाण उनके समय के सिक्कों में प्राप्त होता है। शंख, चक्र, गरुड़ आदि धर्म प्रतीक इनमें अंकित हैं। रतनपुर के शासक शैव धर्मावलंबी थे, उस समय के अनेक प्राचीन मंदिर और उनके अवशेष इनकी पुष्टि करते हैं। शैव मतावलंबी कल्चुरी शासकों की मान्यता थी कि बंकेश्वर महादेव की कृपा से उन्हें राज्य प्राप्त हुआ है। नागपुर के भौसला शासक परंपरा से चले आ रहे शैव धर्म से अप्रभावित न रह सके। उनके द्वारा निर्मित अनेक मंदिर या तो राम मंदिर हैं अथवा शिव मंदिर।

ऐतिहासिक: डा अरविंद शर्मा



प्राकृतिक व सांस्कृतिक स्थल



पर्यटन: लक्ष्मी नारायण लहरे साहिल

छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक स्थलों में रामझरना का इतिहास महत्वपूर्ण है। जिला मुख्यालय रायगढ़ से महज 18 किलो मीटर की दूरी पर रामझरना स्थित है। भगवान श्री राम ने अपने 14 वर्ष के वनवास काल के दिनों में कुछ दिन रामझरना में गुजारे थे। पहाड़ों के बीच यह सुरम्य स्थल पर्यटकों के लिए बहुत ही आकर्षक है। बताया जाता है कि यहां प्रभु राम सीता और लक्ष्मण पहुंचे हुए थे। जब सीता माता को प्यास लगी तब प्रभु राम ने अपने तीर चलाकर जमीन से पानी निकाला और सीता जी ने प्यास बुझाई। तब से इस जगह से पानी बह रही है। वहीं इस पानी को पीने से कई बीमारी दूर हो जाता है ऐसा लोगों का विश्वास है। पर्यटन की दृष्टि से राम झरना के कुछ दूरी पर सिंघनपुर गुफा है यहां पहुंचने के लिए सुगम रास्ता की जरूरत है।

रहस का उदगम और विकास



लोक नाट्य: डा संतराम देशमुख

छत्तीसगढ़ में रास मंडली रहस को रास यज्ञ से संबंधित करते हैं। रहस में कृष्ण लीला से संबंधित सूर, मीरा, विद्यापति, जयदेव आदि के हिंदी में रचित पदों को संगीत में साध कर गाया जाता है। सारे रहस में विरह गीत, वन प्रस्थ विहार के संदर्भ में ही होता है। अन्य समय पर विरह गीत नहीं पाया जाता है। रतनपुर के प्रसिद्ध कवि गोपाल मिश्र और बाबू रेवारां कृष्ण चरित्र लिखे। गोपाल मिश्र के संस्कृत में लिखे कृष्ण चरित्र को रेवा राम ने जन भाषा में अनुवाद किया। बाबू रेवारां लिखित कृष्ण लीला अंचल में गुटिका के नाम से विख्यात है। गुटिका केवल भजन का संग्रह है। इसी में से रसधारी महत्वपूर्ण पदों को चुनकर अपने मति अनुसार लोकानुकूल पद प्रत्यय जोड़ कर रहस दिखाते हैं। यही रहस लोक नाट्य का अनुक्रम है। यह जन को जीवन यापन के लिए प्रेरित करता है और इतना ही नहीं बल्कि जीवन संघर्ष के लिए लोक उदघोष भी है।

नव लेखकों के प्रेरणा स्रोत थे प्रदीप वर्मा

छत्तीसगढ़ी भाषा के रचनाकार प्रदीप वर्मा जिला बलौदा बाजार अर्जुनी के मूल निवासी थे। सरफोंगा जिला रायपुर उनका जन्म स्थान रहा। आप पढ़ाई खत्म कर इस्मात संयंत्र भिलाई में काम करने लगे। उनकी साहित्य पढ़ने में विशेष रुचि थी, इसीलिए वे अपनी सोच को लेखनी के माध्यम से लिपिबद्ध करने लगे। दुर्ग जिला में आप वीणापाणि साहित्य समिति के अध्यक्ष पद पर अंतिम सांस तक बने रहे। भिलाई नगरी में कोई भी साहित्य गोष्ठी हो आप जरूर दिखाई देते थे। दौना पान सांस्कृतिक लोक मंच कार्यक्रम में भी आपकी भागीदारी रहती थी। आपकी छत्तीसगढ़ी दुवारी काव्य संग्रह साहित्यकारों के बीच विशेष चर्चित रही। पं. रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर के एचिडक विषय एम.ए. छत्तीसगढ़ी का संदर्भ ग्रंथ के रूप में इसे चयन किया गया। विनम्रता के साथ वे लेखनी के माध्यम से साहित्य सृजन करने में सदैव व्यस्त रहते थे। उनकी 'प्रेमदीप' किताब तथा सुरता छत्तीसगढ़ी संस्मरणायक लेखों को बहुत प्रशंसा मिली। 2014 में भांवर किताब छत्तीसगढ़ी में प्रकाशित हुई। नव लेखकों को मार्गदर्शन कर उन्हें प्रोत्साहित करते रहते थे। वर्मा जी अपनी लेखनी से जो चाहते थे उसे पात्रों के माध्यम से रोचक ढंग से व्यक्त किया करते थे। मान सम्मान से दूर अपने कार्य के प्रति निष्ठा भाव से अपनी लेखनी को निरंतर सक्रिय रहकर गतिशील रखते थे। इसी माह 18 फरवरी को रात्रि सड़क दुर्घटना में आप काल कवलित हो गए।

सुरता: डा नलिनी श्रीवास्तव

साहित्य सृजन करने में सदैव व्यस्त रहते थे। उनकी 'प्रेमदीप' किताब तथा सुरता छत्तीसगढ़ी संस्मरणायक लेखों को बहुत प्रशंसा मिली। 2014 में भांवर किताब छत्तीसगढ़ी में प्रकाशित हुई। नव लेखकों को मार्गदर्शन कर उन्हें प्रोत्साहित करते रहते थे। वर्मा जी अपनी लेखनी से जो चाहते थे उसे पात्रों के माध्यम से रोचक ढंग से व्यक्त किया करते थे। मान सम्मान से दूर अपने कार्य के प्रति निष्ठा भाव से अपनी लेखनी को निरंतर सक्रिय रहकर गतिशील रखते थे। इसी माह 18 फरवरी को रात्रि सड़क दुर्घटना में आप काल कवलित हो गए।

पौराणिक

पारेलाल गुप्त

पुराणों में खारुन नदी का महत्व

ह

क्षिण कोसल में प्रवाहित होने वाली खारुन नदी को स्कंद पुराण में वर्णित (क्रमुक) नदी का अपना अलग महत्व है। त्रेता युग में यह नदी क्रमु कहलाई। श्रीराम का वन गमन मार्ग यही था। छत्तीसगढ़ रामायण से भी यह प्रमाणित हो जाती है कि दंडकारण्य जाते समय श्रीराम, लक्ष्मण और सीता जी के चरण इसी रास्ते पर पड़े थे। पैर छूआ ही पेटेचुआ अपभ्रंश बन गया। यही पेटेचुआ स्थल पर ही राम आगमन के प्रतीक स्वरूप ओनाकोना में मंदिर के समीप राम की प्रतिमूर्ति स्थापित की गई है। राजा ब्रह्मदेव राय ने सबसे पहले नदी का नामकरण क्षेत्रीय भाषा में खारुन रखा। पेटेचुआ के आसपास के निवासी बताते हैं कि नदी के उदगम स्थल पर पहले खर खर की आवाज आती थी, इसलिए भी नदी का नाम खारुन हो गया।



किशन-अय्यर को नहीं मिला बीसीसीआई का अनुबंध, नियमों का पालन नहीं करने पर की कार्रवाई

एजेसी नई दिल्ली

ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को रणजी ट्रॉफी में खेलने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड के निर्देशों का पालन नहीं करने के बाद बुधवार को बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा को बीसीसीआई अनुबंध के शीर्ष वर्ग (ए फ्लस) में रखा गया है। छह क्रिकेटर्स को ए वर्ग में रखा गया है जिनमें रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल और हार्दिक पांड्या शामिल हैं। सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और यशस्वी जायसवाल को बी वर्ग में रखा गया है।



धनराशि का उल्लेख नहीं

बीसीसीआई ने इसके साथ ही मानदंडों से हटकर इस बार चारों वर्गों में शामिल खिलाड़ियों को वार्षिक अनुबंध के लिए मिलने वाली धनराशि का उल्लेख नहीं किया है। आमतौर पर ए फ्लस वर्ग में शामिल खिलाड़ियों को प्रतिवर्ष 7 करोड़, ए वर्ग के खिलाड़ियों को 5 करोड़, बी वर्ग के खिलाड़ियों को तीन करोड़ और सी वर्ग के खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपये की धनराशि दी जाती है। यह धनराशि उनकी मैच फीस से इतर होती है।

ग्रैंड ए+

रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा।

ग्रैंड ए

रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल और हार्दिक पांड्या।

ग्रैंड बी

सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और यशस्वी जायसवाल।

ग्रैंड सी

रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, ऋतुराज गायकवाड़, शाहीन ठाकुर, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, जितेश शर्मा, चौशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, संजू सेमसन, अश्वीन सिंह, केएस भरत, प्रशिथ कृष्णा, आदेश खान और रजत पाटीदार।

घरेलू क्रिकेट खेलने को दें प्राथमिकता

बीसीसीआई ने बयान में कहा, 'कृपया ध्यान दें कि वार्षिक अनुबंध के लिए श्रेयस अय्यर और ईशान किशन के नाम पर विचार नहीं किया गया।' चयन समिति ने तेज गेंदबाजों आकाश दीप, विजयकुमार विशाक, उमरान मलिक, यश दयाल और विद्वथ कावेरप्पा के लिए भी अनुबंध की सिफारिश की है। बयान में कहा गया है, 'बीसीसीआई ने सिफारिश की है कि सभी खिलाड़ी जब राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहे हों तो तब वे घरेलू क्रिकेट में खेलने को प्राथमिकता दें।'

धर्मशाला टेस्ट से भी बाहर रह सकते हैं राहुल

भारत के सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल इंग्लैंड के खिलाफ धर्मशाला में पांचवां और आखिरी टेस्ट भी नहीं खेल सकेंगे क्योंकि उनकी दाहिने जांच की मांसपेशी में सूजन अभी भी है। राहुल हैदराबाद में पहले टेस्ट के बाद से नहीं खेलें हैं लेकिन बीसीसीआई के मुताबिक वह राजकोट में इस महीने की शुरुआत में हुए तीसरे टेस्ट से पहले 90 प्रतिशत फिट थे। वह अपनी चोट को लेकर विशेषज्ञ की राय लेने लंदन गए हैं। भारतीय टीम श्रृंखला जीत ही चुकी है तो टीम प्रबंधन सात मार्च से धर्मशाला में शुरू हो रहे पांचवें टेस्ट के लिए उन्हें लेकर कोई जोखिम नहीं लेगा। वहीं रांची टेस्ट में अराम दिए जाने के बाद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी होगी।

खबर संक्षेप



कोस्टा रिका से नुमाइशी मैच खेलेंगी अर्जेंटीना

न्यूयॉर्क। लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना टीम 26 मार्च को लॉस एंजेलिस में नाइजीरिया की बजाय कोस्टा रिका से नुमाइशी फुटबॉल मैच खेलेंगी। विश्व कप चैंपियन अर्जेंटीना को हांगझोउ में नाइजीरिया और बीजिंग में आइवरी कोस्ट से खेला था। चीन का वह दौरा खत्म हो गया जिससे पहले मेसी ने हांगकांग में इंटर मिचामी का सत्र से पहले का मैच नहीं खेला था। अर्जेंटीना ने पिछले सप्ताह 22 मार्च को फिलाडेलफिया में अल सलवाडोर के खिलाफ और चार दिन बाद लॉस एंजेलिस में नाइजीरिया के खिलाफ खेले का ऐलान किया था।

हॉकी इंडिया में गुटबाजी और मतभेद नहीं हैं

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया में गुटबाजी और आपसी मतभेदों के आरोपों को खारिज करते हुए महासंघ के अध्यक्ष दिलीप टिकी और महासचिव भोलानाथ सिंह ने बुधवार को एक संयुक्त बयान में कहा कि हॉकी की बेहतरी के लिए वे मिलकर काम करते रहेंगे।

हॉकी इंडिया द्वारा जारी संयुक्त बयान में उन्होंने कहा, 'हाल ही में कुछ निवर्तमान अधिकारियों ने मोडिया में कहा है कि हॉकी इंडिया में गुटबाजी है। यह सही नहीं है। हॉकी के हित के लिए हम एकजुट होकर काम करते रहेंगे।'

जहीर को देखकर सीखने का प्रयास करता था

नई दिल्ली। इंग्लैंड के महानतम तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि उन्होंने रिवर्स सिंवां सहित तेज गेंदबाजी के कुछ गुरु भारत के दिग्गज तेज गेंदबाज जहीर खान से सीखे। एंडरसन 41 साल की उम्र में भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं और 700 टेस्ट विकेट चटकाने वाला दुनिया का पहला तेज गेंदबाज बनने से सिर्फ दो विकेट दूर हैं। उनके नाम पर लगभग एक हजार अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज हैं। अभी सिर्फ महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन और दिवंगत शेन वार्न के नाम पर 700 से अधिक टेस्ट विकेट हैं।

तेज गेंदबाजों का पूल बनाना चाहते हैं अमोल बेंगलुरु। बांग्लादेश में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में अब सात महीने ही रह गए हैं और भारत के मुख्य कोच अमोल मजूमदार उससे पहले महिला प्रीमियर लीग के जरिए तेज गेंदबाजों का एक पूल तैयार करना चाहते हैं।

सुलन गोस्वामी के संन्यास के बाद भारत का तेज आक्रमण कमजोर हुआ है। इस समय भारतीय तेज गेंदबाजी की कमान रेणुका सिंह, पूजा वस्त्रकार, टिटारा साधु और अमनजोत कौर के पास है। मजूमदार ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली श्रृंखला में चार तेज गेंदबाज थे।'

टेस्ट रैंकिंग : टेस्ट श्रृंखला से पहले 69वें स्थान पर थे जायसवाल

यशस्वी की 12वीं रैंकिंग, जुरेल ने लगाई 31 पायदान की लंबी छलांग

एजेसी दुबई

भारत के उदयमान बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि ध्रुव जुरेल 31 स्थान चढ़कर 69वें पायदान पर पहुंच गए हैं। जायसवाल इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले रैंकिंग में 69वें स्थान पर थे। चौथे मैच में 73 और 37 रन की पारी खेलने के बाद उनकी रैंकिंग में और सुधार आया है। प्लेयर ऑफ द मैच जुरेल 90 और 39 रन की पारी खेलकर 31 पायदान की छलांग लगाने में कामयाब रहे।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट रांची में नाबाद 122 रन की पारी खेलने के बाद शीर्ष तीन में लौट आए हैं। सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन पांच विकेट लेकर शीर्ष रैंकिंग वाले जसप्रीत बुमराह से 21 अंक पीछे रह गए हैं। स्पिनर कुलदीप यादव दस पायदान चढ़कर 32वें स्थान पर आ गए हैं। वहीं इंग्लैंड के शोएब बशीर 38 पायदान चढ़कर 80वें स्थान पर हैं। सलामी बल्लेबाज जाक क्रॉली पहली बार शीर्ष 20 में पहुंच गए हैं।



विलियमसन शीर्ष पर बरकरार

भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट में शतक जड़ने वाले रूट दो स्थान की छलांग लगाकर नंबर तीन पर पहुंच गए हैं। इससे पहले वह नंबर पांच पर 766 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ काबिज थे। अब उनकी रेटिंग 799 हो गई है। वहीं, नंबर एक की कुर्सी पर न्यूजीलैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान केन विलियमसन कब्जा जमाए हैं। दूसरे नंबर पर 818 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ स्टीव स्मिथ हैं। भारतीय टीम के थाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली नंबर नौ पर पहुंच गए। उनके 744 रेटिंग प्वाइंट्स हैं। वहीं, नंबर 10 पर हैरी ब्रूक हैं जिनके 743 रेटिंग प्वाइंट्स हैं।

टी20 : हेड पहली बार बने नंबर-1

टी20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविंस हेड पहली बार शीर्ष 20 में पहुंच गए। टिम डेविड छह पायदान चढ़कर 22वें स्थान पर हैं। वनडे रैंकिंग में नमीश्वर के बर्नार्ड शोल्ज 11वें स्थान पर हैं जिनके 642 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने आईसीसी फुटबॉल विश्व कप लीग 2 त्रिकोणीय श्रृंखला में नेपाल के खिलाफ चार और नॉदर्लैंड के खिलाफ दो विकेट लिए थे।

प्रशिक्षण के तरीकों में भी खेल विज्ञान अपनाता होगा : बिद्रा

एजेसी नई दिल्ली

चैंपियन निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने बुधवार को कहा कि भारत को खेल महाशक्ति बनाने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे की ही नहीं बल्कि प्रशिक्षण के तरीकों में भी खेल विज्ञान को आत्मसात करने की जरूरत है। भारत के पहले ओलंपिक व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा भारत खेल विज्ञान कांवेलेव में बोल रहे थे।

बिंद्रा ने कहा, कोचों को इस डिजिटल युग में खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए खेल विज्ञान को अपनाना होगा। हमें एथलेटिक ढांचे के हर स्तर पर खेल विज्ञान को आत्मसात करना होगा। सिर्फ अत्याधुनिक सुविधाओं से काम नहीं चलेगा बल्कि जमीनी स्तर से शीर्ष स्तर पर वैज्ञानिक मानसिकता के साथ खेला जाएगा। ताकि भारत को खेल की महाशक्ति बनाया जा सके। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि खिलाड़ियों के विकास में खेल विज्ञान अहम भूमिका निभा सकता है।



काम नहीं चलेगा बल्कि जमीनी स्तर से शीर्ष स्तर पर वैज्ञानिक मानसिकता के साथ खेला जाएगा। ताकि भारत को खेल की महाशक्ति बनाया जा सके। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि खिलाड़ियों के विकास में खेल विज्ञान अहम भूमिका निभा सकता है।

नागपुर और मुंबई में होंगे सेमीफाइनल

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में मुंबई और तमिलनाडु का सामना मुंबई में होगा जबकि मध्यप्रदेश और विदर्भ का मैच नागपुर में खेला जाएगा। नागपुर के वीसीए स्टेडियम और मुंबई के वीकेसी मैदान पर रणजी ट्रॉफी अंतिम चार के मुकाबले होंगे। विदर्भ ने कर्नाटक को 127 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। उसका सामना मध्यप्रदेश से होगा जिसके कोच चंद्रकांत पंडित हैं जिनके कोच रहते विदर्भ ने 2017-18 और 2018-19 में खिताब जीता था। मध्यप्रदेश ने क्वार्टर फाइनल में आंध्र को चार रन से हराया। वहीं मुंबई ने बड़ौदा के खिलाफ पहली पारी की बहुत के आधार पर अंतिम चार में जगह बनाई।

जापान की महिला फुटबॉल टीम ओलंपिक के लिए क्वालीफाई



टोक्यो। जापान की महिला फुटबॉल टीम ने बुधवार को यहां दूसरे चरण के मुकाबले में उत्तर कोरिया को 2-1 से हराकर आगामी पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई किया। एशिया से ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली दो टीमों से एक का फैसला करने वाले दो मैच के मुकाबले का पहला मैच शनिवार को सऊदी अरब के जेद्दा में गोल रहित ड्रॉ रहा था। जापान को हाना ताकाहाशी ने 26वें मिनट बटन दिलाई जबकि आओबा फुजिनो ने 76वें मिनट में मैजबान

टीम को बढ़त को 2-0 कर दिया। उत्तर कोरिया की ओर से एकमात्र गोल 80वें मिनट में किम ह्यो यंग ने किया लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा सकी। जापान की जीत में गोलकीपर अयाका यामाशिता की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही जिन्होंने कुछ अच्छे बचाव किए। उन्होंने पहले हाफ में गेंद को गोल के अंदर जाने से कुछ मिनटों पहले रोका। जापान ने 2012 ओलंपिक में रजत पदक जीता था लेकिन महिला टीम ने कभी स्वर्ण पदक नहीं जीता।

धवन ने वापसी मैच में खेले 39 रन की पारी

नवी मुंबई। भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन ने बुधवार को यहां प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करते हुए डीवाई पाटिल टी20 कप में 28 गेंद में 39 रन की पारी खेली लेकिन उनकी टीम डीवाई पाटिल बल्लू को टाटा स्पोर्ट्स क्लब ने एक रन से हरा दिया। भारत की ओर से पिछला मैच 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में खेलने वाले 38 साल के धवन ने अपनी पारी में पांच चौके और दो छक्के मारे। 186 रन के जाबाम में डीवाई पाटिल बल्लू की टीम हालांकि सात विकेट पर 184 रन ही बना सकी और एक रन से मैच हार गई।



पेरिस ओलंपिक को लेकर एफआईअध्यक्ष जार्ज ने जताई संभावना

पारुल और भाला फेंक खिलाड़ियों से पदक की उम्मीद

एजेसी नई दिल्ली

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की उपाध्यक्ष अंजू बांबी जॉर्ज ने बुधवार को कहा कि इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता स्टीपलचेज धाविका पारुल चौधरी पर नजर रहेगी और उन्हें भाला फेंक में एक से अधिक पदक की उम्मीद है। जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस खेलों के लिए अब तक भारत के नौ टैक एवं फील्ड खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया है।

भाला फेंक में गत चैंपियन नीरज चोपड़ा और किशोर जेना ओलंपिक में जगह बना चुके हैं। पारुल ने पिछले साल हांगजोउ एशियाई खेलों की 5000 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण और 3000 मीटर स्टीपलचेज में रजत पदक जीता था। यह 28 वर्षीय धाविका 3000 मीटर महिला स्टीपलचेज में नौ मिनट से कम का समय लेने



वाली पहली भारतीय है। अंजू ने बुधवार को 'भारत स्पोर्ट्स साइंस कॉन्फ्लेव' के इतर कहा, 'एथलीटों का एक समूह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एथलेटिक्स में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। हमारा लक्ष्य भाला फेंक में तीन पदक हासिल



करना है। फिर हमारे पास लंबी कूद के खिलाड़ी हैं, हमारे पास त्रिकूद के खिलाड़ी हैं, स्टीपलचेज में पारुल चौधरी उन लोगों में से हैं जिन पर नजर रहेगी लेकिन ओलंपिक के बारे में बहुत कुछ भविष्यवाणी नहीं की जा सकती।'

खेल विज्ञान कर रहा मदद

लंबी कूद में विश्व चैंपियनशिप की पूर्व कांस्य पदक विजेता अंजू ने कहा कि वह संतुष्ट है कि खिलाड़ियों की ट्रेनिंग में सुधार के लिए किस तरह तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं इसे गेमचेंजर कह सकती हूँ। हमारे समय में ऐसा कुछ नहीं था, भारतीय खेलों में जो बदलाव हो रहे हैं और खेल विज्ञान हर खिलाड़ी के करियर में बड़ी भूमिका निभा रहा है।' नीरज, पारुल और जेना के अलावा एथलेटिक्स में अविनाश साब्ले, आकाशदीप, विकास सिंह और परमजीत सिंह बिट्ट, प्रियंका गोस्वामी और मुरली श्रीशंकर पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं।

किरण की धमाकेदार पारी, यूपी ने मुंबई का विजय रथ रोका

भाषा बेंगलुरु

सलामी बल्लेबाज किरण नवगिर के तुफानी अर्धशतक और कप्तान एलिसा हीली के साथ उनकी पहले विकेट के लिए बड़ी साझेदारी की मदद से यूपी वॉरियर्स ने बुधवार को यहां मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस को 21 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से हराकर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के वर्तमान सत्र में अपना खाता खोला। अपने पहले दोनों मैच में जीत दर्ज करने वाली मुंबई इंडियंस की टीम हेली मैथ्यूज के अर्धशतक के बावजूद पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 161 रन ही बना पाई। वॉरियर्स ने 16.3 ओवर में तीन विकेट पर 163 रन बनाकर जीत दर्ज की। वॉरियर्स की टीम अपने पहले दोनों मैच हार गई थी। किरण ने 31 गेंद पर 57 रन

बनाए जिसमें 6 चौके और चार छक्के शामिल हैं। उन्होंने हीली (29 गेंद पर 33 रन, 5 चौके) के साथ पहले विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी की। वॉरियर्स ने हालांकि इन दोनों सलामी बल्लेबाज सहित तीन विकेट चार रन के अंदर गंवा दिए। इसके बाद ग्रेस हैरिस और दीपति शर्मा ने जिम्मेदारी संभाली तथा चौथे विकेट के लिए 65 रन की अटूट साझेदारी करते टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचाया। हैरिस ने 17 गेंद पर 38 रन की नाबाद पारी खेली जिसमें 6 चौके और एक छक्का शामिल है। दीपति ने 20 गेंद पर चार चौकों की मदद से नाबाद 27 रन बनाई। इससे पहले मैथ्यूज ने अपनी ख्याति के विपरीत थोमी पारी खेली। उन्होंने 47 गेंद पर 9 चौकों और एक छक्के की मदद से 55 रन बनाए।

समुद्र तट ने उगली 2 हजार करोड़ की 3300 किलो ड्रग्स



समुद्र में भारतीय नौसेना करती है निरंतर निगरानी



गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- यह सफलता देश को मादक पदार्थ मुक्त बनाने के दिशा में हमारी सरकार की अदृढ़ प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है

एजेसी ▶▶ पोर्बंदर जो प्रिंट मिला वो पाकिस्तान का था, जिससे इस ड्रग्स रैकेट में पाक का हाथ माना जा रहा है। ज्वन् को गई नाव, ड्रग्स और चालक दल के सदस्यों को पोर्बंदर लाया गया है। 27 फरवरी को इस नाव के भारतीय सीमा में पहुंचने का इनपुट मिला और जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।

इरान और पाकिस्तान से तस्करी के संबंध
ड्रग्स तस्करी के इरान और पाकिस्तान से उनके संबंध बताए जा रहे हैं। उनके द्वारा समुद्र का रास्ता तैयार किया जा रहा है, जिस पर बारीकी से नजर रखी गई है। नारकोटिक्स डीजीजी ज्ञानेश्वर सिंह ने बताया कि देश का सबसे ऑपरेशन है, जिसमें नेवी, एटीएस और गुजरात पुलिस की मदद ली गई। मेरीटाइम स्टाफ से ड्रग्स की स्पलाई बंद रही थी इस्लाम आपरेशन कोड सागर मंथन बनाया गया।

इरान में 3089 किलो घरेलू, 158 किलो मेथामफेटामाइन और 25 किलो मोर्फिन शामिल

गुजरात के पोर्बंदर के पास समुद्र तट से इस साल के सबसे बड़े ड्रग्स तस्करी का हुआ अंडाफोड़

27 फरवरी को पुलिस मिली थी सूचना, इसके बाद की गई यह कार्रवाई

मिले इनपुट से पाकिस्तान से जुड़ा है ड्रग्स का कनेक्शन, इसमें इरान की भी संलिप्तता बताई जा रही

खबर संक्षेप

पोषण उत्सव में केंद्रीय मंत्री इरानी-गेट्स होंगे शामिल



नई दिल्ली। कुपोषण से निपटने और बच्चों में स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय पोषण उत्सव कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन इरानी और बिल एंड मैरिलेडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स के अलावा एमडब्ल्यूसीडी और अन्य अधिकारी उपस्थित रहेंगे। 29 फरवरी को दिल्ली में कार्यक्रम होगा।

माली में पुल से नीचे गिरी बस, 31 की मौत



नई दिल्ली। अफ्रीकी देश माली में एक बस नदी के पुल से नीचे गिर गई। इस हादसे में 31 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा अफ्रीकी समय के अनुसार शाम 5 बजे हुआ। यह बस बुर्किना फासो जा रही थी। अचानक बस अनियंत्रित हो गई और पुल से नीचे गिर गई। बता दें कि दुनियाभर में सड़क दुर्घटनाओं में ही रही मौतों में एक चौथाई घटनाएं अफ्रीका में होती हैं।

लंदन में बैठे गैंगस्टर ने हत्या की जिम्मेदारी ली



नई दिल्ली। इंडियन नेशनल लोकदल के वरिष्ठ नेता नफे सिंह राठी की हत्या के मामले में नया खुलासा हुआ है। लंदन में बैठे गैंगस्टर कविल सांगवान ने नफे सिंह के मर्डर की जिम्मेदारी ले ली है। एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ये दावा किया गया है। कपिल ने कहा उसी ने नफे सिंह को मरवाया है। अब पुलिस उस सोशल मीडिया पोस्ट की जांच कर रही है।

बर्लिन में भारत-जर्मनी के रक्षा सचिवों के बीच कई मुद्दों पर हुई चर्चा

दोनों देश रक्षा क्षेत्र में उच्च प्रौद्योगिकी में देंगे सहभागिता, रक्षा-सुरक्षा को बताया सर्वोपरि

एजेसी ▶▶ बर्लिन

भारत के रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने बर्लिन में भारत-जर्मनी उच्च रक्षा समिति की बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में उच्च प्रौद्योगिकी में सहभागिता पर अपना ध्यान केंद्रित किया।

भारतीय रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने बर्लिन में उच्च रक्षा समिति की बैठक की सह-अध्यक्षता की



इसके पहले 2023 में हुई थी बैठक
ज्ञात हो कि उच्च रक्षा समिति की बैठक का आयोजन 2023 में जर्मनी के रक्षा मंत्री वॉरिस पिस्टोरियस की भारत यात्रा के बाद किया गया है। इस बैठक के बाद गिरिधर अरमाने ने बर्लिन में एक प्रमुख थिंक टैंक जर्मन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एंड स्ट्रैटेजिकल स्टडीज (स्टिप्टेन विसेन्शाफ्ट अंड पॉलिटिक-एसडब्ल्यूपी) के साथ बातचीत की।

रणनीतिक साझेदारी के आधार पर रक्षा सहयोग को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया

भारत-जर्मनी के रक्षा सचिव उच्च रक्षा और सुरक्षा को बढ़ावा देने पर हुए सहमत

भारत के रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने बर्लिन में भारत-जर्मनी उच्च रक्षा समिति की बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में उच्च प्रौद्योगिकी में सहभागिता पर अपना ध्यान केंद्रित किया। रक्षा मंत्रालय ने बयान में बताया कि भारत के रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने 27 फरवरी को बर्लिन में जर्मन रक्षा मंत्रालय के सचिव बेनेडिक्ट जिमर के साथ भारत-जर्मनी उच्च रक्षा समिति (एचडीसी) की बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों पक्षों ने भारत और जर्मनी के बीच रणनीतिक साझेदारी के प्रमुख आधार के रूप में रक्षा सहयोग को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया। साथ ही दोनों देशों के रक्षा सचिवों ने कई द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा मुद्दों पर चर्चा भी की।

जर्मनी के साथ संभावित संयुक्त अभ्यास पर चर्चा

दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर अपने विचारों का आदान-प्रदान करने के साथ भारत-प्रशांत क्षेत्र में जर्मनी के साथ संभावित संयुक्त अभ्यास पर चर्चा की। इसके अलावा संगठित रक्षा औद्योगिक परियोजनाओं और प्रस्तावों पर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने मजबूत रक्षा साझेदारी और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों को एक साथ लाने की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही, रक्षा क्षेत्र में उच्च प्रौद्योगिकी में सहभागिता पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

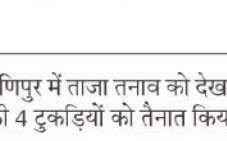
भारत-नेपाल के पूर्व सेना प्रमुख करेंगे मंथन

नई दिल्ली। भारत और नेपाल के बीच एक से 3 मार्च तक 'चीफ्स कान्वलेशन' का दिल्ली में आयोजन किया जाएगा। इसकी अध्यक्षता सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे करेंगे। दोनों देशों के कुछ सेवानिवृत्त और मानद सेना प्रमुख भी इसमें शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान दोनों देशों के पूर्व और मानद सेना प्रमुख रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर सकते हैं। चीफ्स कान्वलेशन का यह मौका संस्करण होगा। इसमें रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास युद्ध के कारण पैदा हुई चुनौतियां, क्षेत्रीय सुरक्षा व सीमा विवाद और भारत व नेपाल के द्विपक्षीय सामरिक मामलों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा।

दोनों देश विदुओं को अपनी सरकारों तक पहुंचाएंगे

चर्चा के दौरान सामने आने वाले सभी जरूरी मुद्दों को कलमबद्ध कर दोनों देशों के पूर्व प्रमुख अपनी-अपनी सरकारों तक पहुंचाएंगे। इससे उन्हें मध्य में सेनाओं की रणनीतिक और युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए जरूरी नीति निर्धारण में काफी मदद मिलेगी। गौरतलब है कि 'चीफ्स कान्वलेशन' का पिछला आठवां संस्करण वर्ष 2021 में आयोजित किया गया था। मूलरूप से यह कार्यक्रम भारत में ही आयोजित किया जाता रहा है, लेकिन पिछले साल 2023 में इसका पहली बार नेपाल में आयोजन किया गया था। नेपाल ने सेना के 260वें स्थापना दिवस के मौके पर 'चीफ्स कान्वलेशन' का आयोजन किया था और उसमें भारतीय सेना के जनरल एमएस नरवणे, जनरल बलबेनर सिंह सुहान, जनरल दीपक कपूर, जनरल जेजे सिंह और जनरल वीएन शर्मा शामिल हुए थे।

असम राइफल्स की 4 टुकड़ियां तैनात



मणिपुर में ताजा तनाव को देखते हुए सेना को बुलाया गया। यहां इंपाल में असम राइफल्स की 4 टुकड़ियों को तैनात किया गया है। मेइतेइ संगठन अरामबाई तेंगगोल के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को उनके आवास से अपहरण कर लिया। मणिपुर पुलिस के ऑपरेशन विंग में तैनात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित कुमार को पुलिस और सुरक्षा बलों को त्वरित कार्रवाई के बाद बचा लिया गया। फिलहाल अधिकारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि अरामबाई तेंगगोल के प्रति निष्ठा रखने वाले केडरों के एक समूह ने इम्फाल के वांगखेई में कुमार के घर पर हमला किया। इस अंधाधुंध गोलीबारी का कारण यह था कि संबंधित अधिकारी ने कथित तौर पर गाड़ी चुराने वाले समूह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया था।

मणिपुर में फिर तनाव: पुलिसकर्मी का अपहरण

एजेसी ▶▶ दिसपुर

आरोपियों की रिहाई के लिए प्रदर्शन रोड किया जाना, की तोड़फोड़

गिरफ्तारी के बाद मीरा पैबिस (मेइतेइ महिला समूह) के एक समूह ने आरोपियों की रिहाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया और रोड जाम कर दिया। मंगलवार शाम को हुए हमले में कथित तौर पर अरामबाई तेंगगोल से जुड़े सशस्त्र केडरों ने घर में तोड़फोड़ की और गोलियों से कम से कम चार वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस अधिकारी के पिता एम कुल्ला ने बताया कि हमले हथियारबंद लोगों के घुसने के बाद उनके बाढ़ करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने अचानक वाहनों पर गोलीबारी शुरू कर दी। हम जल्दी से अंदर गए और खुद को बंद कर लिया। अधिकारी अपनी टीम के साथ भागे, लेकिन उनका अपहरण कर लिया गया। दरअसल, प्रदर्शन करने वाले लोगों की संख्या अधिक थी। इसके बाद मणिपुर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और कुछ घंटों के भीतर कुमार को आरोपियों के चुंगल से छुड़ा लिया।

कश्मीर: आग का बर्फ से महामुकाबला



गुलनगर। जम्मू-कश्मीर के गुलनगर के एक मशहूर होटल में बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे भीषण आग लग गई। अचानक लगी आग को कैसे बुझाई जाए, यह लोग समझ ही नहीं पा रहे थे। तभी उन्हें अचानक आइडिया आया कि बर्फ से ही आग पर काबू पाया जाए। फिर स्थानीय लोग और मौजूद पर्यटकों ने तबड़तोड़ बर्फबारी शुरू कर दी। धीरे-धीरे आग कमजोर पड़ गई और फिर सूचना मिलने पर आए दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया।

◆ होटल जलने लगा तो पर्यटकों ने की ताड़तोड़ 'बर्फबाजी'

◆ पर्यटकों को आग से मुकाबला करने का आया नया आइडिया

अभी अफगान में तालिबानी हुकूमत, भारत सरकार ने उठाया बड़ा कदम

अफगानिस्तान में भारत का 'सलमा डैम', भारत ने भेजी तकनीकी टीम

एजेसी ▶▶ नई दिल्ली



अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद पहली बार भारत की इंजीनियरिंग टीम सलमा बांध का निरीक्षण करने पहुंची है। इस डैम का नाम 'अफगानिस्तान-इंडिया फ्रेंडशिप डैम' है। करीब 8 साल पहले भारत ने हेरात के पास सलमा डैम बनाया था। भारत के इंजीनियरों की टीम काबुल पहुंच चुकी है। टीम सलमा डैम की जांच करेगी। 22 अरब की राशि से यह डैम बना था। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच बेहतर संबंध स्थापित करना था।

तालिबान के साथ भारत की नागीदारी
2021 में तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया, ऐसे में देखरेख कम हो रही है। उसकी दोबारा से देखरेख के लिए भारत सरकार ने इंजीनियरों की टीम भेजी है। दोनों देशों के बीच बेहतर संबंध होंगे।

विद्युत परियोजना
भारतीय कंपनी वैपकोस की चार सदस्यीय टीम अफगान पहुंची है। उत्तर-पश्चिमी अफगान की हरिरुद नदी पर यह डैम बना है। सलमा डैम पर जलविद्युत परियोजना संचालित की जा रही है। भारतीय इंजीनियरों की टीम 3 दिनों डैम की देखरेख करेगी।

बांध पर तिरंगा
बांध पर भारत का तिरंगा बना हुआ है और 'अफगानिस्तान-इंडिया फ्रेंडशिप डैम' लिखा है। डैम के बारे में जानकारी दी गई है, लेकिन अब धुंधली हो गई है। वहीं अफगानिस्तान के झंडे को जानबूझकर धुंधला किया गया है। तालिबान सरकार अफगानिस्तान के झंडे को मान्यता नहीं देती है।

तटरक्षक दल श्रीलंका रवाना

भारत-मालदीव-श्रीलंका के बीच नौसेना का 16वां दोस्ती अभ्यास

एजेसी ▶▶ नई दिल्ली



मालदीव के माले में भारत, मालदीव और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने 4 दिवसीय 16वां दोस्ती अभ्यास सम्पन्न हो गया। यह अभ्यास 22 से 25 फरवरी के बीच हुआ। भारतीय नौसेना के जहाज समर्थ और अभिनव श्रीलंका के गाले के लिए रवाना हुए जहां श्रीलंका और

भारत के बीच समुद्री सहयोग और आपसी सौहार्द को बढ़ाने के लिए दोनों देशों के बीच संयुक्त प्रशिक्षण होगा।